ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

नवोदय

तिमाही गृह पत्रिका | अंक–19 | जुलाई–सितंबर 2025

पी.एस.बी

Navodaya

Quarterly House Journal | Addition -19 | July -September 2025

Congratulations to Team PSB

पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण द्वारा अटल पेंशन योजना के अंतर्गत बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री रवि मेहरा (कार्यपालक निदेशक) तथा श्री अशनी कुमार (महाप्रबंधक) ने पुरस्कार ग्रहण किया।

Our Bank signed MoU with National Cooperative Development Corporation (NCDC) for financing agri infrastructure facilities by PACS in the presence of Shri Swarup Kumar Saha, MD & CEO and MD of NCDC Shri Pankaj Kumar Bansal at New Delhi.

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

नवोदय Navodaya

तिमाही गृह पत्रिका अंक-19 | जुलाई-सितंबर 2025

Quarterly House Journal Addition-19 | July -September 2025

(केवल आंतरिक वितरण हेतु)

प्रधान कार्यालय, बैंक हाउस, 21, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली – 110008

Head Office, Bank House, 21, Rajendra Place, New Delhi - 110008

ई-मेल/E-mail : editor.navodaya@psb.bank.in

वेबसाइट/website : www.punjabandsind.bank.in

मुख्य संरक्षक/Chief Custodian

श्री स्वरूप कुमार साहा

Shri Swarup Kumar Saha

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी / MD & CEO

संरक्षक / Custodian

श्री रवि मेहरा

Shri Ravi Mehra

कार्यपालक निदेशक / Executive Director

श्री राजीवा

Shri Rajeeva

कार्यपालक निदेशक / Executive Director

मुख्य संपादक / Chief Editor

श्री गजराज देवी सिंह ठाकुर

Shri Gajraj Devi Singh Thakur

महाप्रबंधक / General Manager

संपादक मंडल / Editorial Board

श्री राजेश चंदन पांडे

Shri Rajesh Chandan Pandey

मुख्य महाप्रबंधक / Chief General Manager

श्री निखिल शर्मा

Shri Nikhil Sharma

मुख्य प्रबंधक / Chief Manager

श्रीमती भारती

Smt. Bharati

प्रबंधक / Manager

पंजाब एण्ड सिंध बैंक गृह पत्रिका में प्रकाशित सामग्री में दिए गए विचार, संबंधित लेखक के अपने हैं। पंजाब एण्ड सिंध बैंक का प्रकाशित विचारों से सहमत होना ज़रूरी नहीं है। सामग्री की मौलिकता एवं कॉपी राइट अधिकारों के प्रति भी लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

मुद्रक : जैना ऑफसेट प्रिंटर्स

ए 33/2, साइट–4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया,

गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश

फोन नं. : 98112 69844

ई-मेल: jainaoffsetprinters@gmail.com

विषय सूची

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	संपादक मंडल/विषय-सूची	1
2	शुभकामनाएं एवं सुझाव	2
3	संपादकीय	3
4	MoU with Indian Army	4
5	79वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन	5
6	The Journey of a Banker in Rural India: Touching Lives, Transforming Dreams	6 - 8
7	वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान (डेहलपुर गांव)	9
8	वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान (बिलासपुर)	10
9	सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही हेतु बैंक के वित्तीय परिणाम	11
10	दिनांक 30.09.2025 तक बैंक के आंचलिक कार्यालयों का कार्य-प्रदर्शन	12-13
11	विकसित भारत @2047 के निर्माण में बैंकों की भूमिका	14 - 19
12	Important Circulars of the Bank	20 - 21
13	Enter into the New Era...	22- 23
14	Letral Entry: A New Chapter in Public Sector Banking	24 - 25
15	City light, Village Soul	25
16	स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन	26
17	Openinig of NRI Specialised Branch (Thiruvananthapuram)	27
18	PM SvaNidhi: Credit Delivery to Last mile...	28 - 29
19	शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक (आंचलिक कार्यालय जालंधर)	30
20	कॉरपोरेट एवं एमएसएमई ग्राहक बैठक	31
21	वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान (आंचलिक कार्यालय लखनऊ)	32
22	देश की अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका	33 - 35
23	शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक (आंचलिक कार्यालय बरेली तथा दिल्ली-II)	36
24	Financial Inclusion Saturation Camp (Zonal Office Gurugram & Delhi-II)	37
25	साइबर सुरक्षाः ग्राहक की भूमिका	38 - 42
26	Heart Ties	42
27	नवीन शाखा का शुभारंभ तथा शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक (आं.का. मुंबई)	43
28	Mou Signed by Bank	44

शुभकामनाएं एवं सुझाव / Letter to the Editor

कार्यालय की तिमाही गृह पत्रिका नवोदय के 18वें अंक के लिए आप सभी को बधाई । मुझे यह बताते हुए अत्यन्त ही हर्ष का अनुभव हो रहा है कि गृह पत्रिका नवोदय के प्रत्येक अंक की भांति यह अंक भी ज्ञानवर्धक रहा है। पत्रिका नित नयी-नयी विषय-वस्तुओं का संग्रह कर पहले से और भी सुदृढ़ और सुसज्जित प्रतीत होती है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि गृह पत्रिका नवोदय सभी कार्मिकों के लिए मार्ग-दर्शन का कार्य कर रही है। पत्रिका में प्रकाशित सामग्री विविध विषय-वस्तुओं को समेटे होती है। पत्रिका के इस अंक में प्रकाशित लेख मानसिक स्वास्थ्य, जोखिम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों पर ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान कर रहे हैं। पत्रिका की विषय-वस्तु ज्ञानवर्धन करती है जो अपने पाठकों को आकर्षित करती है। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए समस्त संपादकीय मंडल को ढ़ेर सारी बधाई और शुभकामनाएँ।

प्रभाकर मजूमदार
आंचलिक प्रबंधक,
आंचलिक कार्यालय, गुवाहाटी

पत्रिका के नवीनतम अंक हेतु संपूर्ण संपादक मंडल को बधाई। मुझे पत्रिका का यह अंक प्राप्त करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। गृह पत्रिक का यह अंक कार्मिकों के लिए कार्यस्थल पर संतुलन, बैंकिंग क्षेत्र की प्रगति तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में विकास के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होता है। यह पत्रिका न केवल ज्ञानवर्धन कर रही है, बल्कि कार्मिकों को सकारात्मक सोच एवं नवाचार की दिशा में भी प्रेरित कर रही है। बैंक द्वारा इस प्रकार की पहल सराहनीय है, जो ज्ञानवर्धक करने के साथ-साथ बैंकिंग संस्कृति को भी समृद्ध करती है। पत्रिका की गुणवत्ता और विषयवस्तु तथा साज-सज्जा अत्यंत सराहनीय है। हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक अंकों का प्रकाशन होता रहेगा। पत्रिका के आगामी अंक हेतु शुभकामनाएं।

शीतल
आंचलिक प्रबंधक,
आंचलिक कार्यालय, फरीदकोट

बैंक की गृह पत्रिका नवोदय का अप्रैल-जून,2025 अंक प्राप्त हुआ। यह पत्रिका अपने प्रकाशन के आरंभ से ही आकर्षक एवं पठनीय रही है। यह अंक भी पूर्व की भी भांति ज्ञानवर्धक एवं बहुआयामी है। बैंक की यह पत्रिका न सिर्फ बैंकिंग संबंधी आलेख को ही प्रकाशित करती है बल्कि इसमें जीवन के विविध पहलू, विज्ञान- तकनीक एवं अन्य प्रासंगिक विषयों पर भी गंभीर एवं सारगर्भित लेख प्रकाशित होते हैं। यह पत्रिका Mental health-Need of hour in banking, आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के युग में नौकरियों का महत्व, what-does retirement विविध विषयों को सरल और सहज भाषा में अभिव्यक्त करती है। बैंक की महत्वपूर्ण सूचनाएं भी समग्रता से दी गई हैं। अतः एक पठनीय, ज्ञानवर्धक एवं विविधतापूर्ण पत्रिका के प्रकाशन के लिए संपादक मंडल एवं पूरी टीम को अनेकानेक बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

कमल नयन
आंचलिक प्रबंधक,
आंचलिक कार्यालय, वाराणसी

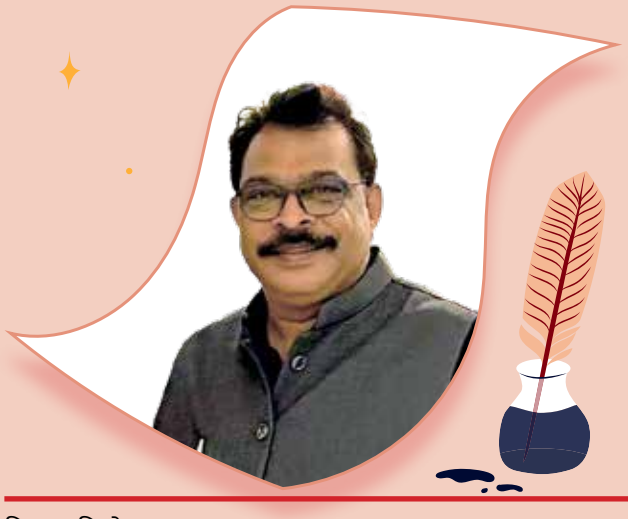

संपादकीय

प्रिय साथियो,

आप सभी को उत्सवों के माह की हार्दिक शुभकामनाएं! विभिन्न पर्व हमारा मनोबल बढ़ाने का काम करते हैं। पर्वों के दौरान आयोजित उत्सव, रंग, संगीत, रोशनी तथा सामूहिक गतिविधियां सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। एक सकारात्मक और खुशहाल मन काम के प्रति अधिक प्रेरित एवं ऊर्जावान होता है जिससे उत्पादकता में वृद्धि होती है। मुझे आशा है कि आप सभी इसी सकारात्मक ऊर्जा का प्रयोग बैंक के व्यसाय की वृद्धि में योगदान के माध्यम से करेंगे। चूंकि बैंकिंग एवं अर्थव्यवस्था में बैंकरों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। आप सभी बैंकर के रूप में न केवल बैंकिंग प्रणाली के कार्यों को कार्यान्वित करते हैं, बल्कि सीधे तौर पर देश की आर्थिक प्रगति में भी सहायक होते हैं। एक बैंकर सरकारी योजनाओं को कार्यान्वित करने, ग्रामीण विकास तथा वित्तीय साक्षरता के प्रति सामान्य जन को जागरूक करने में ज़मीनी स्तर पर कार्यवाहक के रूप में कार्य करते हैं। ग्राहकों के साथ आपके संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप हमारे बैंक द्वारा नवीन उत्पादों का आरंभ करते हुए कासा बैक ऑफिस, टैब बैंकिंग तथा उन्नत कॉल सेंटर का आरंभ किया गया है। एक बैंकर अपनी विशेषज्ञता, समर्पण और ग्राहकों के साथ सीधे जुड़ाव के माध्यम से बैंक के लक्ष्यों को सुनिश्चित कर रहे हैं।

अपनी प्रतिभा के बल पर,
तू यू ही बढ़ता चल,
कर आलोकित पथ प्रकाश का,
जीवन को मधुरिम करता चल।।

गृह पत्रिका नवोदय भी इस दिशा में कार्य कर रही है। गृह पत्रिका नवोदय हमारे विचारों और अनुभवों को दूसरों तक जोड़ने का एक साझा प्रयास है। पत्रिका के इस अंक में नवाचार संबंधी लेखों एवं बैंक की पहलों को महत्वपूर्ण रूप से सम्मिलित किया गया है। इसके अतिरिक्त पत्रिका में अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं रोचक लेख एवं समसामयिक विषय आधारित सृजनात्मक रचना को भी समाहित किया जाता है। इसके अतिरिक्त गृह पत्रिका नवोदय के इस अंक में मुख्य रूप से बैंक में आयोजित विभिन्न गतिविधियों, बैंक के विभिन्न उत्पादों, नीतियों, महत्वपूर्ण परिपत्रों सहित Letral Entry : A New Chapter in Public Sector Banking, PM SvaNidhi-Credit Delivery to Last Mile, The Journey of a Banker in Rural India : Touching Lives, Transforming Dreams, देश की अर्थव्यवस्था में बैंक की भूमिका आदि लेख भी समाहित किए गए हैं, जो हमारी जानकारी को पोषित करते हैं। इसलिए आप सभी अपने विचारों को पत्रिका के माध्यम से साझा करते रहें।

मुझे विश्वास है कि आप इसे उपयोगी और सूचनाप्रद पाएंगे। बैंकिंग के विविध पहुलओं को समेटे यह पत्रिका आपको कैसी लगी, इसके अनवरत सुधार की दिशा में आपकी प्रतिक्रिया एवं सुझावों का हमें सदैव इंतजार रहेगा।

(गजराज देवी सिंह ठाकुर)
महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक

MoU WITH INDIAN ARMY

In the run up to the 79th glorious years of independence, our bank inked the renewal MoU(modified PSB Gaurav Bachat Salary Package) with the Indian Army.

स्वतंत्रता दिवस

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त,2025 को बैंक के स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज, रोहिणी (दिल्ली) में ध्वजारोहण, पौधारोपण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री स्वरूप कुमार साहा(प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी), श्री रवि मेहरा (कार्यपालक निदेशक), श्री राजीवा (कार्यपालक निदेशक) तथा बैंक के शीर्षस्थ कार्यपालकों, कार्मिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। देशभक्ति के रंगों में रंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागियों द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतियां दी गई।

The Journey of a Banker in Rural India: Touching Lives, Transforming Dreams

Pankaj Kumar

When a banker first hears about a rural posting, the immediate thought is often about inconvenience—distance from the city, lack of facilities, and limited lifestyle options. But what begins as a mere transfer order soon turns into one of the most enriching journeys of life.

Banking in rural India is unlike any other assignment. Here, a banker is not just an officer behind the counter but a friend, guide, teacher, and sometimes even a family member to the community. The dusty roads, the lush fields, the warm greetings of villagers, and the silent trust in their eyes make every day more than just about transactions—it becomes about building lives and nurturing dreams.

FIRST GLIMPSE: A WORLD UNTOUCHED BY HURRY

On the very first day in a rural branch, the difference is visible. Instead of honking cars and rushing customers, you are welcomed by green fields swaying in the breeze, the sound of bullock carts on mud roads, and children waving as you pass by. The branch building, often modest, stands like a beacon of hope amidst the village.

For a city-bred banker, this world feels slow. But as days pass, you begin to see the beauty of simplicity—life here is not driven by deadlines but by the rising and setting of the sun, by sowing and harvesting cycles, by festivals celebrated together, and by relationships that matter more than wealth.

BANKING WITH EMOTIONS, NOT JUST NUMBERS

In rural areas, customers do not come with files of documents and financial statements. They come with stories, struggles, and dreams.

- A farmer comes to you with calloused hands, seeking a loan for seeds, as his entire year's hope depending on the rain.

- A young girl, accompanied by her mother, requests to open her first savings bank account, her eyes glowing with ambition to study further.
- An old pensioner stands patiently, trusting you to hand over not just his money, but his dignity.

In such moments, you realize that banking here is not just about credit and debit—it is about trust and human connection. The feeling is more than a banker.

CHALLENGES THAT SHAPE THE SPIRIT

The journey is not easy. Rural banking comes with its share of challenges:

- Customers may not understand forms, digital PINs, or technical jargon.
- Loan recovery means walking through muddy fields under the scorching sun, sometimes facing resistance, sometimes receiving gratitude.
- Staff shortages mean one person handles the work of many.

But each challenge strengthens you. It teaches patience, humility, and resilience. Slowly, you stop seeing problems—you start seeing opportunities to create solutions for people who depend on you.

FINANCIAL INCLUSION: OPENING DOORS OF HOPE

One of the most powerful experiences for a rural banker is helping villagers join the financial mainstream. For someone who never thought they could enter a bank, opening a Jan Dhan account feels like owning a key to a new world.

Women walk in groups to deposit money saved from daily wages. Farmers learn the power of crop loans and Kisan Credit Cards. Youth begin to dream of higher education through education loans.

Every new account, every ATM card handed over, every pension credited silently whispers a message: "You too belong to India's growth story."

THE VILLAGE TEACHES MORE THAN ANY CLASSROOM

While bankers bring financial knowledge to villages, the villages offer lessons no classroom can teach.

- You learn contentment from farmers who smile even after a poor harvest.
- You learn trust from customers who deposit their hard-earned wages without question.
- You learn community spirit when the entire village gathers to celebrate a small victory of one family.

And most importantly, you learn that wealth is not always measured in rupees—sometimes it is measured in respect, blessings, and gratitude.

STORIES THAT STAY FOREVER

Every banker posted in rural areas carries back stories that remain etched in the heart:

- The widow who, after receiving her pension, folded her hands and said, **"Babuji, aap toh bhagwan se kam nahi"** (Sir, you are no less than God).
- The group of women who pooled a small loan to start a tailoring unit, and later walked proudly into the branch to repay it in full.
- The little boy who said, **"Mere papa ne bank se loan liya, isliye main school ja paaya"** (My father could send me to school because of the bank's loan).

These moments make you realize that while balance sheets show numbers, real impact lies in smiles, confidence, and changed lives.

DIGITAL REVOLUTION IN RURAL HEARTLANDS

A decade ago, villagers would wait hours in queues for simple withdrawals. Today, biometric ATMs, UPI, and DBTs have transformed rural banking.

Yet, digital adoption is not easy. Villagers hesitate, fear fraud, or struggle with apps. This is where the banker's role becomes that of a patient teacher—explaining step by step, sometimes holding hands while showing how to enter a PIN.

When an elderly farmer finally withdraws his money through his fingerprint or a woman successfully transfers funds using UPI, the joy on their faces feels like a victory larger than any corporate milestone.

THE BANKER BECOMES PART OF THE VILLAGE

Over time, the banker ceases to be an outsider. You are invited to weddings, festivals, even harvest celebrations. They trust you not just with money but with advice, blessings, and friendship.

Many bankers admit that though they initially resisted rural postings, those years became the most memorable chapters of their careers.

NATION-BUILDING FROM THE GRASSROOTS

When you work in rural India, you realize that you are not just handling accounts—you are contributing directly to nation-building.

- Every loan to a farmer strengthens food security.
- Every SHG financed uplifts women and empowers families.
- Every education loan fuels the dreams of rural youth.
- Every DBT ensures social justice reaches the last mile.

In dusty fields and small villages, silently, India's future is being written, and bankers are one of its key scribes.

CONCLUSION: A JOURNEY THAT ENRICHES THE SOUL

The journey of a banker in rural India is more than a professional duty—it is an emotional pilgrimage. It strips away arrogance, teaches humility, and fills the heart with stories of courage, resilience, and hope.

Yes, there are challenges—long distances, lack of facilities, and the pressure of targets. But beyond all this lies the joy of being useful, being remembered, and being part of someone's better tomorrow.

That moment tells you that banking is not just about interest rates and profits—it is about trust, relationships, and human dignity.

Senior Manager
BO, Dhaura Tanda
ZO Bareilly

Pradip Roy
Retired Chief Manager
Punjab & Sind Bank

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान

बैंक द्वारा डेहलपुर गांव (पंजाब) में वित्तीय समावेशन कैम्प का आयोजन किया गया। आयोजन में श्री विवेक श्रीवास्तव (क्षेत्रीय निदेशक) भारतीय रिज़र्व बैंक, श्री रवि मेहरा (कार्यपालक निदेशक), श्री पंकज सेतिया (महाप्रबंधक) भारतीय रिज़र्व बैंक, श्री चमन लाल शींहमार (क्षेत्र महाप्रबंधक, चंडीगढ़), श्री करमजीत सिंह (उप महाप्रबंधक), श्री कुलदीप सिंह (आंचलिक प्रबंधक, चंडीगढ़) तथा श्री एम.के.भारद्वाज (लीड जिला प्रबंधक) उपस्थित रहे।

वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान

आंचलिक कार्यालय भोपाल द्वारा श्री स्वरूप कुमार साहा (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी), श्री राजेन्द्र कुमार रैगर (महाप्रबंधक), श्री ताराचन्द मीणा (आंचलिक प्रबंधक, भोपाल) की उपस्थिति में बिलासपुर (छत्तीसगढ़) नगर में वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान का आयोजन किया गया।

सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही हेतु बैंक के वित्तीय परिणाम

राशि करोड़ में

मानक	द्वितीय तिमाही वित्त वर्ष 2024-25	द्वितीय तिमाही वित्त वर्ष 2025-26	वार्षिक विकास-दर
परिचालन लाभ (करोड़ में)	458	505	47
शुद्ध लाभ (करोड़ में)	240	295	55
परिसंपत्ति पर प्राप्ति (आरओए) %	0.65	0.72	7 बीपीएस
लाभांश (आरओई) %	10.91	10.41	(50) बीपीएस
अग्रिम उपज (वाईओए) %	8.75	8.62	(13) बीपीएस
लागत-आय-अनुपात %	62.82	61.87	(95) बीपीएस
गैर ब्याज आय (करोड़ में)	359	374	15
ऋण-जमा अनुपात	73.40	77.79	439 बीपीएस
स्लीपेज अनुपात (12एम)	0.28	0.17	(11) बीपीएस
सकल गैर निष्पादित आस्ति (%)	4.21	2.92	(129) बीपीएस
निवल गैर निष्पादित आस्ति (%)	1.46	0.83	(63) बीपीएस
वसूली एवं उन्नयन (करोड़ में)	327	374	47
ऋण लागत (12एम)	0.11	(0.03)	14 बीपीएस
निवल ब्याज मार्जिन %	2.71	2.60	(11) बीपीएस
कासा जमा	37744	41129	3385
कुल जमा	124025	135706	11681
सकल अग्रिम	91032	105566	14534
कुल व्यापार*	**215057**	**241272**	**26215**

दिनांकित 01.07.2025 से 30.09.2025

आंचलिक कार्यालय	कोर जमा			सकल जमा			कासा		
	सितंबर, 24	सितंबर, 25		सितंबर, 24	सितंबर, 25		सितंबर, 24	सितंबर, 25	
		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि
आगरा	2,077	2,329	2,397	2,636	2,874	2,780	940	1,107	1,086
अमृतसर	4,597	5,003	5,051	4,905	5,407	5,262	1,844	1,995	1,973
बरेली	2,084	2,407	2,234	2,238	2,676	2,438	1,324	1,550	1,349
बठिंडा	2,485	2,789	2,713	2,592	2,827	2,766	1,102	1,267	1,187
भोपाल	2,503	2,855	2,854	3,063	3,586	3,549	1,038	1,226	1,074
चंडीगढ़	6,343	7,531	7,589	7,529	9,143	8,812	2,484	3,273	3,214
चैन्ने	844	1,161	1,394	1,696	2,201	2,869	306	559	665
देहरादून	2,622	3,024	2,956	2,948	3,456	3,184	1,210	1,406	1,251
दिल्ली - I (एलसीबी के अतिरिक्त)	5,710	6,236	6,461	7,982	9,101	9,673	1,972	2,091	1,936
दिल्ली - II	7,860	8,346	8,393	8,877	10,124	10,037	3,006	3,047	2,843
फरीदकोट	1,729	1,993	1,956	1,754	2,024	1,976	733	867	812
गांधीनगर	585	643	966	1,479	1,420	1,681	216	246	273
गुरदासपुर	3,916	4,328	4,379	3,974	4,388	4,433	1,741	1,874	1,883
गुरुग्राम	1,999	2,188	2,231	2,301	2,601	2,572	913	988	960
गुवाहाटी	1,483	1,892	1,590	1,551	2,047	1,748	801	1,165	853
होशियारपुर	4,948	5,533	5,592	4,964	5,552	5,592	2,048	2,248	2,259
जयपुर	1,982	2,047	2,023	2,401	2,749	2,676	888	843	803
जालंधर	6,781	7,343	7,326	6,854	7,486	7,456	2,624	2,766	2,735
कोलकाता	2,210	2,427	2,315	3,836	3,847	3,204	763	900	784
लखनऊ	1,888	2,115	2,455	2,970	3,332	3,470	885	1,018	1,007
लुधियाना	4,657	5,110	5,184	5,226	5,901	5,669	2,027	2,172	2,028
मोगा	3,168	3,569	3,591	3,174	3,582	3,601	1,482	1,643	1,627
मुंबई (एलसीबी के अतिरिक्त)	2,127	2,502	2,755	2,559	3,129	3,233	714	891	977
नोएडा	3,882	4,422	4,531	4,951	5,091	5,344	1,885	2,161	2,031
पंचकूला	3,170	3,549	3,493	3,629	4,086	4,132	1,425	1,603	1,541
पटियाला	3,705	4,098	4,080	3,750	4,206	4,147	1,310	1,473	1,449
पटना	1,415	1,599	1,651	2,048	2,263	2,032	654	739	760
वाराणसी	1,055	1,216	1,206	1,163	1,346	1,255	501	604	570
विजयवाड़ा	1,543	1,673	2,225	4,081	4,854	5,434	663	818	815
एलसीबी दिल्ली	379	414	390	3,717	4,244	3,228	80	121	108
एलसीबी मुंबई	234	476	577	13,177	3,955	11,449	165	406	275
कुल*	**89,980**	**100,819**	**102,558**	**124,023**	**129,497**	**135,704**	**37,744**	**43,065**	**41,129**

*कौलेंडिंग, ट्रैड तथा सेमर्वत के अतिरिक्त

तक आंचलिक कार्यालयों का कार्य प्रदर्शन

आंचलिक कार्यालय	खुदरा अग्रिम			कृषि अग्रिम			सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम अग्रिम			गैर निष्पादित आस्तियाँ		
	सितंबर, 24	सितंबर, 25		सितंबर, 24	सितंबर, 25		सितंबर, 24	सितंबर, 25		सितंबर, 24	सितंबर, 25	
		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि
आगरा	468	545	544	62	74	74	457	478	447	103	88	109
अमृतसर	674	805	736	559	617	624	303	336	326	94	76	103
बरेली	368	443	410	1,372	1,517	1,505	569	683	548	258	221	268
बठिंडा	416	481	490	1,231	1,322	1,384	300	343	286	80	73	72
भोपाल	445	534	558	185	295	313	764	890	994	103	78	91
चंडीगढ़	1,250	1,536	1,487	361	374	402	786	845	868	111	73	73
चैन्ने	670	783	780	20	125	203	491	524	534	101	76	89
देहरादून	438	559	539	209	227	207	377	483	444	53	50	56
दिल्ली - I (एलसीबी के अतिरिक्त)	828	1,032	995	136	41	40	926	1,162	1,207	118	67	57
दिल्ली - II	966	1,151	1,118	85	106	132	1,628	804	912	45	36	41
फरीदकोट	237	286	290	782	883	912	192	206	201	75	64	74
गांधीनगर	288	384	403	102	91	102	367	429	462	66	51	47
गुरदासपुर	397	501	471	730	778	783	365	400	390	152	125	132
गुरुग्राम	742	922	879	327	360	354	378	403	443	44	39	44
गुवाहाटी	299	372	370	18	25	31	234	292	295	24	20	24
होशियारपुर	393	497	485	605	685	670	164	199	183	73	66	71
जयपुर	730	850	853	723	779	795	651	707	660	148	134	148
जालंधर	560	660	644	349	384	356	429	452	454	90	84	85
कोलकाता	451	512	495	121	164	270	685	695	648	294	203	224
लखनऊ	406	494	485	152	164	165	472	529	538	118	96	113
लुधियाना	531	616	614	651	710	703	664	732	736	196	140	154
मोगा	259	329	305	992	1,081	1,089	196	221	209	89	81	93
मुम्बई(एलसीबी के अतिरिक्त)	673	800	792	89	90	137	390	518	567	81	80	85
नोएडा	848	1,031	1,016	381	419	422	440	544	520	107	91	112
पंचकूला	563	647	614	655	689	701	380	467	446	134	112	121
पटियाला	551	658	609	991	1,025	1,066	430	527	495	98	76	84
पटना	324	393	400	35	43	55	369	437	452	71	60	75
वाराणसी	207	252	255	80	91	97	268	285	285	80	62	73
विजयवाड़ा	694	836	894	84	123	157	461	566	643	75	53	56
एलसीबी दिल्ली	37	41	34	18	23	17	218	222	252	7	32	36
एलसीबी मुम्बई	2	5	32	1,041	5	809	374	223	134	0	-	0
कुल*	**15,715**	**18,953**	**18,595**	**13,143**	**13,309**	**14,575**	**14,730**	**15,601**	**15,580**	**3,089**	**2,506**	**2,809**

*कौलेंडिंग, ट्रेड तथा सेमर्वत के अतिरिक्त

विकसित भारत @2047 के निर्माण में बैंकों की भूमिका

नारायण निरंजन

जब हम भारत के भविष्य की कल्पना करते हैं, तो एक विकसित, समृद्ध और तकनीकी रूप से उजागर राष्ट्र का सपना सामने आता है। यह सपना साकार होता दिखाई दे रहा है। हाल में जारी रिपोर्टों के अनुसार भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। विकसित भारत @2047 उस विचारधारा का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य आने वाले दो दशकों में देश को विश्व शक्ति बने रहना है। इस दिशा में बैंकों की भूमिका अनिवार्य है क्योंकि ज्ञान, नवाचार और वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता में बैंक अग्रणी योगदान देते हैं। बैंक आर्थिक विकास की धुरी हैं, जो नागरिकों के वित्तीय समावेशन का काम करते हुए, उद्योगों, स्टार्टअप्स, छोटे तथा मध्यम उद्यमों को निरंतर प्रोत्साहित करते हैं।

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था ने समय के साथ अपनी परंपरागत सीमाओं को पार करते हुए डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और वित्तीय समावेशन को अपनाया है। आने वाले वर्षों में, जब हमें विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करना होगा, तब बैंक न केवल पारंपरिक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करेंगे, बल्कि नए-नए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों की पूर्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बैंकिंग क्षेत्र का ऐतिहासिक विकास

भारतीय बैंकिंग का इतिहास सदियों पुराना है, जिसने स्वतंत्रता के बाद आधुनिक बैंकिंग प्रणालियों के विकास के साथ नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। उपनिवेशवाद के अंत और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, बैंकिंग सेक्टर में व्यापक सुधार तथा नीतिगत बदलाव हुए। चरखी, सहकारी बैंक और क्षेत्रीय बैंकों ने ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का विस्तार किया।

स्वतंत्रता के बाद, भारत सरकार ने वित्तीय समावेशन के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को अपनाया और बैंकों को यह निर्देश दिया कि वे आम जनता तक वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करें। इसी सन्दर्भ में कई योजनाएँ जैसे जनधन योजना, स्टैंड अप इंडिया और मुद्रा योजना शुरू की गई, जिससे वित्तीय समावेशन की नींव मजबूत हुई। बैंकिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण और तकनीकी प्रगति ने न केवल पारंपरिक सेवाओं को बदल दिया, बल्कि आज के डिजिटल युग में लोगों तक तेज, सुरक्षित और पारदर्शी सेवाएँ पहुंचाने में भी मदद की है।

वित्तीय समावेशन: एक आधारस्तंभ

विकसित भारत @2047 का सपना तभी साकार होगा जब देश के अधिकांश नागरिक बैंकिंग सेवाओं के दायरे में होंगे। वित्तीय समावेशन का अर्थ है कि हर नागरिक, चाहे वह ग्रामीण क्षेत्रों में हो या शहरी क्षेत्रों में, बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सके।

वित्तीय समावेशन के प्रमुख पहलू

डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल तकनीक : देश के अधिकांश क्षेत्रों में इंटरनेट और मोबाइल प्रौद्योगिकी की पहुँच ने डिजिटल बैंकिंग को अनिवार्य बना दिया है। मोबाइल ऐप्स, ऑनलाइन लेन-देन, यूपीआई और अन्य डिजिटल भुगतान प्रणालियों के माध्यम से बैंक अब दूरदराज के क्षेत्रों को भी जल्दी और सुगमता से सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

स्मार्ट कार्ड और नेशनल पेंशन सिस्टम : वित्तीय उत्पादों की रेंज को बढ़ाने के लिए कार्ड आधारित भुगतान और पेंशन योजनाओं में सुधार किया जा रहा है। ये उत्पाद विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं से वंचित रहे हैं।

माइक्रो-फाइनेंस और सहकारी बैंकिंग : छोटे व्यवसायों, किसान और ग्रामीण उद्यमियों के लिए माइक्रो-फाइनेंस सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। सहकारी बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान ग्रामीण

इलाकों में आर्थिक सशक्तिकरण का कार्य करते हैं और स्थानीय स्तर पर वित्तीय जरूरतों को पूरा करते हैं। इन पहलों से न केवल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलता है, बल्कि यह आर्थिक असमानता को कम करने और हर एक नागरिक को विकसित भारत के सपने का हिस्सा बनाने में जोड़ात्मक भूमिका निभाता है।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और नवाचार

दुनिया भर में डिजिटलाइजेशन का दौर चल रहा है, और बैंकिंग क्षेत्र भी इस प्रौद्योगिकी क्रांति से अछूता नहीं रहा है। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ने पारंपरिक बैंकिंग प्रक्रियाओं को बदलकर तेज, सुरक्षित एवं पारदर्शी बना दिया है।

डिजिटल बैंकिंग की प्रमुख विशेषताएँ

ऑनलाइन बैंकिंग और मोबाइल एप्लिकेशन: अब ग्राहक अपने बैंक खाते का प्रबंधन कहीं से भी कर सकते हैं। मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबसाइटों के माध्यम से ग्राहकों को लेन-देन, स्केड्यूल्ड पेमेंट्स, और व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंधन में सरलता मिली है। इससे वित्तीय सेवाएँ अधिक लोकलक्षित और उपयोगकर्ता-मित्र हो गई हैं।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस: यूपीआई न केवल लेन-देन को तेज़ और सुरक्षित बनाता है, बल्कि यह छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्यमों तक को भी एक समान डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर लाता है। यूपीआई की सफलता ने देश में डिजिटल भुगतान के मार्ग प्रशस्त किए हैं।

फिनटेक और बैंकिंग साझेदारी: पारंपरिक बैंकों ने फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी करते हुए नए-नए उत्पादों और सेवाओं का विकास किया है। इससे ऋण, बीमा, निवेश और अन्य वित्तीय उत्पादों की पहुंच अधिक व्यापक हुई है।

एआई, ब्लॉकचेन और बिग डाटा: आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके बैंकों ने सुरक्षा, ग्राहक सेवा और जोखिम प्रबंधन में अद्वितीय प्रगति की है। एआई आधारित चैटबॉट्स, ब्लॉकचेन तकनीक द्वारा सुरक्षित लेन-देन तथा बिग डाटा एनालिटिक्स से क्रेडिट स्कोरिंग में सुधार बैंकिंग क्षेत्र को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

डिजिटल बैंकिंग न केवल बैंकिंग को आधुनिक बनाती है, बल्कि इसे विकसित भारत @2047 के लक्ष्य के अनुरूप एक समावेशी, पारदर्शी और डाटा-संचालित प्रणाली में परिवर्तित करती है।

औद्योगिक ऋण और निवेश

विकसित भारत के निर्माण में औद्योगिक धारा को जीवंत करने के लिए पूंजी निवेश तथा ऋण सुविधा अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैंक उद्योग, निर्माण, प्रौद्योगिकी, कृषि और नवाचार क्षेत्रों में वित्तीय संसाधनों के प्रवाह को सुनिश्चित करते हैं।

औद्योगिक ऋण के महत्त्वपूर्ण बिंदु

- **उद्योगों को प्रोत्साहन:** बैंक उद्योगों को आवश्यक ऋण सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे नई तकनीक, मशीनरी और प्रौद्योगिकी का विकास होता है। विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए सुलभ ऋण सुविधाएं, उन्हें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाती हैं।
- **स्टार्टअप्स और उद्यमशीलता:** आज के दौर में नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋण सुविधाएँ और वित्तीय सलाह कार्यशील उद्यमियों को अवसर प्रदान करती हैं कि वे अपने आइडियाज को व्यावसायिक सफलता में बदल सकें।
- **अवसंरचना निर्माण:** विकसित भारत @2047 के विजन में इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण एक मूलभूत तत्व है। बैंकों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश से स्मार्ट शहर, हाईवे, रेलवे, हवाई अड्डे और अन्य अवसंरचना परियोजनाओं को सिद्ध किया जा सकता है। यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि देश के सभी क्षेत्रों में विकास के सामंजस्य को भी बढ़ावा देगा।
- **निवेश प्रोत्साहन:** बैंक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न वित्तीय उत्पादों और योजनाओं की पेशकश करते हैं। साथ ही, जोखिम प्रबंधन और क्रेडिट गारंटी जैसी योजनाएँ निवेशकों के विश्वास को बढ़ाती हैं, जिससे देश में निवेश की गति बढ़ती है।

इन पहलों से न केवल औद्योगिक विकास में तेजी आएगी, बल्कि यह बैंकिंग क्षेत्र को भी एक नए युग में ले जाएगा जहाँ निवेशकों और उद्योगों के बीच सहयोग की नई मिसाल कायम होगी।

सतत विकास और ग्रीन बैंकिंग

आधुनिक युग में पर्यावरणीय समस्याएँ और जलवायु परिवर्तन एक महत्वपूर्ण चुनौती हैं। विकसित भारत @2047 को प्राप्त करने हेतु सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) को आत्मसात करना अनिवार्य हो गया है। इस दिशा में बैंकों की भूमिका ग्रीन बैंकिंग के माध्यम से उजागर होती है।

ग्रीन बैंकिंग के प्रमुख बिंदु

- **पर्यावरण-अनुकूल ऋण:** बैंक अब ऐसे ऋण प्रदान करते हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल परियोजनाओं को समर्थन देते हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के क्षेत्र में वित्तीय सहायता इन परियोजनाओं की गति को तेज करती है।
- **सतत निवेश:** बैंक सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट फंड्स के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास की पहल में निवेश को बढ़ावा देते हैं। इससे न केवल पर्यावरणीय संरक्षण होता है, बल्कि आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक हित भी सुनिश्चित होते हैं।
- **कार्बन क्रेडिट और पर्यावरणीय वित्त:** विकसित भारत @2047 के लक्ष्य के तहत कार्बन क्रेडिट सिस्टम, पर्यावरणीय वित्तीय साधन, और ग्रीन बॉन्ड्स जैसी सुविधाएं बैंक द्वारा लागू की जा रही हैं। यह पर्यावरणीय संकट को कम करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।
- **उच्च मानकों की पालना:** बैंक न केवल अपने भीतर हरे रंग की पहल कर रहे हैं, बल्कि अपने निवेशकों और ग्राहकों को भी उच्च पर्यावरणीय मानकों का पालन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

इन पहलों से विकसित भारत @2047 एक ऐसा देश बनेगा जहाँ आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय संरक्षण भी प्राथमिकता रखता हो और बैंक इस लक्ष्य के संरक्षक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ।

रोजगार सृजन और उद्यमिता में योगदान

जब भी देश में वित्तीय संस्थान अधिक सशक्त होते हैं, तो रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। बैंक न केवल डायरेक्ट लेन-देन में कर्मचारी नियुक्त करते हैं, बल्कि अपने द्वारा उधार दी जाने वाली राशि से चलने वाले विभिन्न उद्योगों और स्टार्टअप्स में भी अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा करते हैं।

रोजगार सृजन के मुख्य पहलू

नवीन उद्यमों का समर्थन: बैंक स्टार्टअप्स और छोटे व्यवसायों को वित्तीय सहायता देकर उनके विकास में योगदान करते हैं। इस प्रकार, व्यापारिक नवाचार और जोखिम लेने वाले उद्यमी अपनी योजनाओं को सफल बना पाते हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार सृजन के नए रास्ते खुलते हैं।

स्थानीय और ग्रामीण विकास: ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से कृषि आधारित उद्योग और सहकारी उपक्रम अधिक सक्रिय होते हैं। स्थानीय स्तर पर काम करने वाले इन उद्यमों में लोगों को नियमित आय और सामाजिक सुरक्षा मिलती है।

प्रशिक्षण एवं कौशल विकास: बैंक अपने ग्राहकों को वित्तीय शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आर्थिक ज्ञान प्रदान करते हैं। इससे न केवल वित्तीय साक्षरता बढ़ती है, बल्कि युवा वर्ग को व्यवसायिक कौशल हासिल करने में भी मदद मिलती है।

स्व-रोजगार की संभावनाएँ: बैंक ऋण और वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमियों को स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। इससे न केवल बेरोजगारी दर में कमी आती है, बल्कि एक आत्मनिर्भर समाज का निर्माण भी होता है।

उपरोक्त पहलों से स्पष्ट होता है कि बैंकिंग क्षेत्र देश की आर्थिक नींव को मजबूत करके रोजगार सृजन में भी मील का पत्थर साबित होगा, जिससे विकसित भारत @2047 की परिकल्पना को साकार करने में सहायता मिलेगी।

बैंकिंग सुधार और नियामकीय परिवर्तन

बैंकों द्वारा अपनाए जाने वाले सुधार और नियामकीय परिवर्तन भी विकसित भारत @2047 के पथ में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक (भारिबै) द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले नीतिगत सुधार बैंकिंग सिस्टम को पारदर्शी, सुरक्षित एवं ग्राहक-केंद्रित बनाने में सहायक होते हैं।

प्रमुख सुधार और नीतियाँ

ग्राहक सेवा और पारदर्शिता: आज के जमाने में ग्राहक की संतुष्टि बैंकिंग सेवा की प्राथमिक शर्त बन गई है। नियमित निरीक्षण, ग्राहक शिकायत निवारण तंत्र और पारदर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से बैंक अपने ग्राहकों का विश्वास जीत रहे हैं।

मौद्रिक नीति में सुधार: भारिबै द्वारा निर्धारित मौद्रिक नीति, ब्याज दरें, और ऋण प्रबंधन के नियम बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने में मदद करते हैं। इस नीति में सुधार से बैंक न केवल घरेलू बाजार में बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

साइबर सुरक्षा और डाटा संरक्षण: डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते दौर में

साइबर हमलों से निपटने के लिए बैंकों में अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणालियाँ लगाई जा रही हैं। यह सुधार ग्राहक के डाटा की सुरक्षा एवं वित्तीय लेन-देन को सुरक्षित बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

नए विनियामक ढांचे: तकनीकी प्रगति के अनुरूप नये विनियमों और कानूनों को लागू किया जा रहा है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में स्थिरता और क्रेडिट व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। ये सुधार न केवल वित्तीय बाजार के पक्ष में हैं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालते हैं।

इन सुधारों और नीतिगत परिवर्तनों के द्वारा विकसित बैंकिंग प्रणाली दर्शाती है कि कैसे बैंक भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए विकसित भारत @2047 के सपने को वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य और अंतरराष्ट्रीय सहयोग

आज के वैश्विककरण के युग में कोई भी देश एकांत में विकास की राह पर अग्रसर नहीं हो सकता। विकसित भारत @2047 का सपना भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों, निवेशकों और वैश्विक व्यापार के सहयोग पर निर्भर करता है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आयाम

- **वैश्विक निवेश प्रवाह:** बैंक विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न वित्तीय उत्पादों और योजनाओं को पेश कर रहे हैं। विदेशी निवेश से प्राप्त पूंजी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विशेषज्ञता वृहद पैमाने पर विकास के नए अवसर खोलते हैं।
- **वैश्विक बैंकिंग मानकों का अंगीकार:** भारतीय बैंक अपनी प्रबंधन प्रणाली, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय सेवाओं में वैश्विक मानकों को अपनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। इससे विदेशी संस्थानों के साथ सहयोग में वृद्धि होती है।
- **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी:** आईएमएफ, विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भारत के विकास में सहयोग दे रहे हैं। भारतीय बैंक भी इन संस्थाओं के साथ मिलकर नए निवेश क्षेत्रों को पहचान रहे हैं और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठा रहे हैं।
- **विदेशी मुद्राओं और व्यापार:** विकसित राष्ट्रों के साथ व्यापार और मुद्रा विनिमय में सुधार से भारतीय बैंक अपने ग्राहकों को विदेशी व्यापार में भी सुरक्षा और आसानी प्रदान कर रहे हैं। यह पहल वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी को बढ़ावा देती है।

वैश्विक सहयोग से न केवल भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा, बल्कि यह विकसित भारत @2047 के लक्ष्यों को भी समर्पित एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

चुनौतियाँ और संभावनाएँ

जहाँ बैंकिंग क्षेत्र ने पिछले कुछ दशकों में अद्भुत प्रगति की है, वहीं आगे चलकर भी चुनौतियाँ पूरी तरह से दुर्लभ नहीं होंगी। विकसित राष्ट्र बनने की राह में सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानकर उन्हें अवसर में बदलना ही वास्तविक सफलता का मुख्य मंत्र होगा।

प्रमुख चुनौतियाँ

- **डिजिटल डिवाइड:** ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में इंटरनेट और डिजिटल सेवा की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती है। बैंकिंग सेवाओं को इन क्षेत्रों में पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे ताकि प्रत्येक नागरिक तक डिजिटल सेवाएँ पहुंच सकें।
- **साइबर सुरक्षा खतरे:** डिजिटल बैंकिंग के तेजी से बढ़ते प्रयोग के साथ, साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ गया है। बैंकिंग संस्थानों को अत्याधुनिक सुरक्षा उपायों को अपनाने के साथ-साथ निरंतर प्रशिक्षिण और निगरानी प्रणालियों को सुदृढ़ करना होगा।
- **नियमों में निरंतर परिवर्तन:** वित्तीय नियम एवं विनियम अक्सर बदलते रहते हैं, जिससे अनुपालन में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसा होने पर बैंक और उनके ग्राहक दोनों को निरंतर नये नियमों के अनुरूप ढलने की आवश्यकता होगी।
- **आर्थिक असमानता:** जबकि वित्तीय समावेशन की दिशा में कई योजनाएँ सफल रही हैं, फिर भी देश के कुछ क्षेत्रों में आर्थिक विषमता बनी हुई है। सभी नागरिकों को लाभ पहुँचाने के लिए नए प्रोजेक्ट्स और कार्यक्रमों के माध्यम से असमानता को कम करना होगा।

संभावनाएँ और अवसर

नवीन तकनीकों का समावेश: ब्लॉकचेन, एआई, और बिग डाटा एनालिटिक्स जैसी प्रौद्योगिकियाँ बैंकिंग सिस्टम को और भी अधिक

सुरक्षित एवं कुशल बना सकती हैं। भविष्य में इन तकनीकों का सही मिश्रण वित्तीय सेवाओं को और अधिक उन्नत करेगा।

नए बाजारों में विस्तार: विकासशील अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करते हुए, वैश्विक बाजारों में भारत के बैंक अपनी विशेषज्ञता के बल पर और अधिक निवेश आकर्षित कर सकते हैं।

स्थायी विकास की पहल: ग्रीन बैंकिंग, सतत निवेश और पर्यावरणीय वित्त के क्षेत्र में अग्रणी बनकर, बैंक ना केवल आर्थिक विकास को गति देंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएंगे। यह द्वि-उद्देश्यीय पहल विकसित भारत @2047 के लक्ष्यों के अनुरूप होगी।

नए उद्यमों के लिए संरचनात्मक सहायता: बैंक नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए नए स्टार्टअप्स, तकनीकी उद्यमों और ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न ऋण योजनाओं तथा वित्तीय उत्पादों का विकास कर रहे हैं। इससे युवा उद्यमियों की पहल को बल मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इन चुनौतियों और अवसरों के बीच यदि बैंक अपनी रणनीतियों को समयानुकूल ढालते हुए लगातार नवाचार और सुधार की दिशा में अग्रसर हुए, तो विकसित भारत @2047 का सपना निश्चित ही सच हो सकता है।

सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव

बैंकिंग प्रणाली का प्रभाव न केवल आर्थिक विकास तक सीमित है, बल्कि इसका सामाजिक और सांस्कृतिक स्वरूप भी व्यापक है। विकसित भारत @2047 के संदर्भ में बैंकिंग संस्थान सामाजिक न्याय, समानता और आर्थिक स्वावलंबन के मॉडल स्थापित करते हैं।

सामाजिक समावेशन के पहलू

महिला सशक्तिकरण: बैंक अब विशेष रूप से महिलाओं के लिए ऋण योजनाएँ, वित्तीय प्रशिक्षण, और उद्यमिता कार्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। ये पहल नारी शक्ति को उजागर करने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

शैक्षिक और स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश: वित्तीय सहायता का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में भी किया जा रहा है। इन पहलुओं से न केवल व्यक्ति का समग्र विकास होता है, बल्कि समाज में ज्ञान का स्तर भी ऊँचा होता है।

समुदाय आधारित विकास: बैंक सहकारी मॉडल तथा माइक्रो-फाइनेंस योजनाओं के माध्यम से समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दे रहे हैं। इससे स्थानीय पहचान और विकास की भावना जगती है, जो विकसित भारत @2047 की नींव मजबूत करती है।

भविष्य की दिशा और रणनीतिक दृष्टिकोण

जब हम विकसित भारत @2047 की बात करते हैं, तो हमें यह समझना होगा कि बैंकिंग क्षेत्र भविष्य में भी अभिनव, लचीला और प्रौद्योगिकी-समृद्ध रहेगा। यहाँ कुछ प्रमुख रणनीतिक दिशाएँ हैं,

नवीन ऋण उत्पाद और सेवाएँ: बदलते आर्थिक परिवेश के अनुसार, बैंक नई ऋण योजनाएँ, बीमा उत्पाद और निवेश विकल्प विकसित करेंगे। इससे बाजार में विविधता आएगी और प्रत्येक नागरिक की विशेष आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा।

सतत विकास और जिम्मेदार बैंकिंग: बैंक अब सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक तीनों क्षेत्रों में संतुलित विकास हेतु रणनीतिक योजनाओं पर काम कर रहे हैं। यह मॉडल न केवल भविष्य की चुनौतियों का सामना करेगा, बल्कि आने वाले दशकों में देश के सतत विकास में भी सहायक सिद्ध होगा।

निष्कर्ष

विकसित भारत @2047 का सपना न केवल एक आदर्श विजन है, बल्कि यह एक व्यापक परिवर्तन की दिशा में एक ठोस कदम भी है। बैंकिंग क्षेत्र, जो सदियों से आर्थिक विकास के मूल आधार रहे हैं, इस मार्गदर्शन में अपनी भूमिका को निरंतर विकसित कर रहे हैं। चाहे वह वित्तीय समावेशन का विस्तार हो, डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से आधुनिकता की ओर बढ़ना या फिर औद्योगिक निवेश और वैश्विक साझेदारी के जरिए आर्थिक विकास को गति देना, बैंक हर मोड़ पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जब हम 2047 के प्रतिचित्र को जीवंत करते हुए एक विकसित, स्थायी और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे, तो बैंकिंग क्षेत्र न केवल वित्तीय सहायता बल्कि सामाजिक बदलाव, तकनीकी प्रगति और वैश्विक सहयोग का एक महत्वपूर्ण सूत्रस्थल बन जाएगा। भारतीय बैंक, नवाचार, दक्षता और समावेशन के माध्यम से, नयी पीढ़ियों को आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और वित्तीय जागरूकता तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

यही नहीं, बैंक सामाजिक-आर्थिक विकास के नए आयाम भी स्थापित करेंगे, जिससे न केवल आर्थिक असमानताएँ कम होंगी, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकसित भारत के सपने में भागीदार बनाया जाएगा। अतः विकसित भारत @2047 की दिशा में बैंकिंग क्षेत्र के योगदान को अनदेखा करना न केवल असंभव है, बल्कि यह राष्ट्र के समग्र विकास के लिए एक मजबूत आधार भी है।

समग्र रूप से देखा जाए तो, बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका केवल वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर क्षेत्र में विकास की बुनियाद डालता है। चाहे वह डिजिटलीकरण की नई राह हो, औद्योगिक निवेश के अवसर हों, या सामाजिक समावेशन एवं सतत विकास की दिशा में उठाए गए कदम हों, बैंक उन सभी का अभिन्न हिस्सा हैं। विकसित भारत @2047 का लक्ष्य तभी साकार होगा जब बैंक, सरकारी नीतियों और निजी उद्यमों के संयुक्त प्रयास से, नवाचार, सुरक्षा, पारदर्शिता और समावेशन से लैस होकर अपनी भूमिका को और भी मजबूती से निभाएँगे।

अंत में कहा जा सकता है कि विकसित भारत @2047 का सपना केवल एक दूरदर्शिता नहीं, बल्कि एक संयुक्त प्रयास का परिणाम होगा। इस प्रयास में बैंकों की भूमिका एक सूत्रधार की तरह होगी, जो सम्पूर्ण देश के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास के विभिन्न पहलुओं को एकीकृत कर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करेगी। बैंकिंग क्षेत्र की निरंतर प्रगति, तकनीकी नवाचार एवं वित्तीय समावेशन ने हमें एक मजबूत आधार प्रदान किया है, जिसपर विकसित भारत @2047 के स्वप्न को सच करने का संपूर्ण मंच बनाया जा सकेगा।

मुख्य प्रबंधक
प्रका योजना एवं विकास विभाग

शुभकामनाएं

सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में आयोजित तैराकी प्रतियोगिता में बैंक के महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र कुमार रैगर ने 50 वर्ष व उससे अधिक आयु वर्ग में 50 मीटर बैकस्ट्रोक श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें बैंक की ओर से अशेष शुभकामनाएं

CIRCULAR ISSUED FROM

Date	Circular No.	Subject
		HO Accounts & Audit Department
25/9/2025	542/2025-26	Closing of Trading Window in terms of Punjab & Sind Bank Code of Conduct to Regulate, Monitor and Reporting Trading by Insiders
26/8/2025	437/2025-26	Amendment in Section 17(2)(iii)(c) & Section 17(2)(vi) - Specified Employee
22/7/2025	320/2025-26	Partial modification regarding consequences of PAN becoming inoperative as per Rule 114AAA of the Income tax Rules,1962
		HO Central Pension Processing Cell
23/9/2025	531/2025-26	TDS on Pension to all pensioners and checking accuracy of pension
23/9/2025	530/2025-26	Recording of PPO number in the passbook of pensioners/family pensioners
23/9/2025	529/2025-26	Obtention of Life Certificate from all Pensioners and issue of Acknowledgement slip
23/9/2025	528/2025-26	Settlement of Account of Deceased Defense Pensioners Migrated to SPARSH
		HO Credit Monitoring & Policy Department
30/9/2025	72/2025-26	Reserve Bank of India (Project Finance) Directions,2025
19/8/2025	425/2025-26	IBA scheme for recommending transport operators to member bank during july 2025 month
19/8/2025	424/2025-26	IBA scheme for recommending transport operators to member bank during june 2025 month
		HO KYC & AML Cell
4/7/2025	176/2025-26	RBI Imposes Monetary Penalty on Bank of Maharashtra
4/7/2025	175/2025-26	RBI Imposes Monetary Penalty on Mahindra & Mahindra Financial Service Limited
		HO Financial Inclusion Cell
4/9/2024	444/2024-25	Standard operating procedure(sop)for capturing bc code/ko code during account opening and modification
11/9/2023	449/2023-24	Standard Operating Procedure for Offline Activities To Be Performed By BCAs
2/9/2023	430/2023-24	Standard Operating Procedure for Implementing CBC in the Bank
5/8/2023	354/2023-24	Standard Operating Procedure for Implementing Corporate Business Correspondent (CBC) in the Bank
		HO Foreign Exchange Department
30/9/2025	568/2025-26	Notional rates W.E.F. 01-10-2025
24/9/2025	527/2025-26	Campaign for Export Credit from 24th September 2025 to 30th of November 2025
24/9/2025	526/2025-26	NRE/NRO and FCNR(B) Deposit Campaign for mobilizing NRE/NRO deposit
11/9/2025	487/2025-26	Strengthening of Follow-up Mechanism for Export Documentation and Repatriation of Export Proceeds – RBI Audit Observation
29/8/2025	448/2025-26	Advisory on Rectification of Serious Lapses in Handling Inward and Outward Remittances – Compliance with FEMA and RBI Guidelines
17/7/2025	312/2025-26	Categorisation of forex branches
		HO Fraud Monitoring Department
28/7/2025	337/2025-26	Advisory for Branches/ Zone/ offices for filing of complaint with LEAs in fraud case immediately
10/7/2025	290/2025-26	Advisory on prevention of Frauds, Cybercrimes, Digital Frauds perpetrated through various schemes/scams & modus operandi
		HO General Administration Department
4/9/2025	466/2025-26	Change of Address of Branch IBD Agra (A0708)
28/8/2025	443/2025-26	Policy on obtaining insurance coverage for the bank
28/8/2025	442/2025-26	Policy for Revaluation of Bank Owned Properties.
		HO Human Resources Development Department
30/9/2025	582/2025-26	Promotion policy from clerical cadre to officers cadre in jmgs-i
30/9/2025	581/2025-26	Promotion policy from subordinate cadre to clerical cadre
25/9/2025	550/2025-26	Unauthorized usage of internal accounts
25/9/2025	547/2025-26	Options for Additional Insurance Cover under IBA Group Medical Insurance –Employees Top Up Policy 2025-26 to interested employees against payment of stipulated premium for the period 01.11.2025 to 31.10.2026.
25/9/2025	544/2025-26	Reconstitution of Internal Complaints Committee (ICC) at HO Level in terms of Banks Policy on Prevention, Prohibition and Redressal of Sexual Harassment of women at workplace.
25/9/2025	540/2025-26	Appointment to the post of additional chief vigilance officers in various public sector banks (including sbi)
24/9/2025	535/2025-26	Y-break at workplace to address work-life balance
24/9/2025	509/2025-26	Implementation of Measures to Enhance Staff Engagement in PSB VidyaNidhi LMS
15/9/2025	492/2025-26	Categorization of Branches & Zones as on 30.06.2025
10/9/2025	490/2025-26	Staggered Lunch Hours to ensure continuous customer service in Bank
9/9/2025	473/2025-26	Employee survey to track employee happiness index (ehi) – q2 fy 2025-26
8/9/2025	475/2025-26	Checking delays in grant of sanction for prosecution in respect of a public servant under section 19 of the Prevention of Corruption Act 1988
16/8/2025	416/2025-26	Half Day Casual Leave through HRMS to officers and workmen staff in terms of 9th joint note/ 12th bipartite settlement dated 08.03.2024.
7/8/2025	388/2025-26	Holiday home at ujjain
4/8/2025	362/2025-26	Certification Course on Customer Service in Bank by IIBF
31/7/2025	351/2025-26	Seniority list of jmgs-i officials (officers) (2025)

01.07.2025 TO 30.09.2025

Date	Circular No.	Subject
31/7/2025	350/2025-26	Limits for Reimbursement of Lodging & Boarding Expenses to Officers
3/7/2025	271/2025-26	Reconstitution of 'UMANG - HO HRD Women Cell'.
2/7/2025	265/2025-26	Declaration of Banking Industry as Public Utility Service under Industrial Disputes Act 1947
		HO Law & Recovery Department
26/9/2025	558/2025-26	Policy on treatment of wilful defaulter & large defaulter
26/9/2025	557/2025-26	Policy for Legal Audit
26/9/2025	556/2025-26	Policy on Title Investigation, Index Inspection of Properties And Non-Encumbrance Certificate
26/9/2025	554/2025-26	Policy on Management of Litigation against Bank
24/9/2025	536/2025-26	Deployment of security guard in properties in possession with bank
6/8/2025	378/2025-26	Action points for speedy disposal of cases pending before drts/drats
		HO Marketing & Insurance Division
15/9/2025	493/2025-26	PSB ACTIVE PLUS for Activation of Dormant CASA Accounts
26/8/2025	439/2025-26	PSB DHAN KUBER
26/8/2025	438/2025-26	PSB SURAKSHA SE SAMRIDDHI
15/7/2025	295/2025-26	MEGA MONSOON CAMPAIGN
11/7/2025	297/2025-26	PSB SAMMAN 2.0
		HO Provident Fund Department
24/9/2025	539/2025-26	IBA's Group Medical Insurance Scheme for Retired Employees / Surviving Spouse for the period 01.11.2025 to 31.10.2026
20/9/2025	521/2025-26	Delay in submission of NPS Subscriber registration form
25/8/2025	434/2025-26	Dearness Relief Payable to Pensioners for the Period August 2025 to January 2026- Under Punjab & Sind Bank(Employees') Pension Regulations,1995
25/8/2025	433/2025-26	Tie-up with Dr. Agarwal's Eye Hospital for In-service & Retiree staff members of Punjab & Sind Bank
		HO Planning & Development Department
26/9/2025	561/2025-26	Policy on Banking Outlets & Administrative Offices of the Bank
20/9/2025	516/2025-26	Amendment in Service Charges
18/9/2025	501/2025-26	Modification in PSB Flexi Savings Deposit Account
18/9/2025	501/2025-26	Modification in PSB Flexi Savings Deposit Account
7/8/2025	387/2025-26	Modification in PSB RERA Plus CA Scheme
7/8/2025	386/2025-26	Modification in PSB Gaurav Bachat SB Salary Account
28/7/2025	338/2025-26	Amendments to the Operational Guidelines for Mid - Corporate Branches.
		HO Priority Sector Advances Department
29/9/2025	573/2025-26	PSB GIG WORKERS SCHEME
29/9/2025	564/2025-26	PSB START UP SCHEME
19/9/2025	513/2025-26	M/s Indian Commodities Ltd (A Division of Suvidh Commodities e.com Pvt Ltd) :-Tie up for Collateral Management Services under PSB Scheme For Financing Krishi Bhandaran against Warehouse Receipts (p-Pledge)
19/9/2025	512/2025-26	Common Application Form for MSME Loans up to ₹1.00 Crore (excluding MUDRA Loans)
3/9/2025	465/2025-26	Availability of Agriculture Schemes in Loan Originating System (LOS)
8/8/2025	392/2025-26	PSB scheme for extending estate purchase loans
6/8/2025	396/2025-26	Mandatory Display of QR Codes of Digital Loans at a Prominent Places in the Branches & ATMs
30/7/2025	346/2025-26	New Definition of Micro, Small and Medium Enterprises
19/7/2025	318/2025-26	Advisory on Credit facilities to Scheduled Castes (SCs) & Scheduled Tribes (STs)
10/7/2025	286/2025-26	PSB KISAN TATKAL SCHEME : CLARIFICATION
		HO General Operations Department
29/9/2025	575/2025-26	Special Clearing in Cheque Truncation System on October 3, 2025
17/9/2025	497/2025-26	Forthcoming General Elections to Legislative Assembly Bihar - Facilitation of opening of separate bank account and cheque book to the prospective candidates/ candidates
11/8/2025	401/2025-26	Introduction of NACH portal on Bank's Website for PSB Customers
		HO Retail Lending Department
29/9/2025	562/2025-26	Advisory on Pradhan Mantri Vidyalaxmi Scheme
23/9/2025	532/2025-26	Introduction of New Apna Ghar Variant - APNA GHAR PREMIUM
20/9/2025	518/2025-26	Integration with maruti suzuki smart finance (mssf) portal for sourcing of car loan
29/8/2025	449/2025-26	Advisory on empanelled gold valuers
19/8/2025	423/2025-26	Advisory on Pradhan Mantri Vidyalaxmi Scheme
1/8/2025	357/2025-26	Advisory regarding HCLM AND HSCLM LINKAGE IN LOS
1/8/2025	355/2025-26	"A Business Development Initiative : Ghar, Gadi & Gehna"
30/7/2025	342/2025-26	Waiver in Processing Charges of Staff and Ex-Staff Members in PSB Gold Loan
1/7/2025	266/2025-26	DSA POLICY of the Bank.

ENTER INTO

Our Bank inaugurated its new MSME Sports Cluster Branch at Football Chowk, Jalandhar (Punjab). The inauguration ceremony was graced by Shri M. Nagaraju, IAS, Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India. The event was also attended by Shri Atul Kumar Goel, Chief Executive, Indian Banks' Association, along with senior officials, industry representatives, and members of the local business community.

THE NEW ERA...

The event also saw the launch of specialized branch initiatives, including the SheRise Branch (managed by women employees only), MSME Edge, Agri Hub Branches and a Startup Branch at Sector 44, Gurugram, designed to provide sector-specific financial solutions and drive inclusive growth.

Lateral Entry : A New Chapter in Public Sector Banking

Ketan Kishan

LEGACY OF PUBLIC SECTOR BANKS (PSBS)

PSBs have long been the backbone of India's financial system. With their unmatched reach, deep trust and a legacy spanning decades. They have been both institutions of service as well as the symbol of stability, trust and transparency.

Traditionally, PSBs followed a closed loop system of recruitment and growth. Officers were hired young, nurtured within the system, promoted step by step and often retired from the very same bank they joined. This model ensured continuity, loyalty and stability but also left little room for flexibility or cross pollination of ideas from outside.

SECURITY V/S FLEXIBILITY

Job security has always been the hallmark of govt/PSU employment. A career in a PSB, much like in other government or PSU jobs offered predictability and stability in a world full of uncertainties. By contrast, private sector jobs often came with risks of restructuring, layoffs or sudden changes. But there was also a flip side: freedom.

In the private sector, if an employer has the right to let go of talent, the employee too has the freedom to move to another firm, another role or another geography. This mobility brings dynamism. Unfortunately, such mobility was historically absent in PSBs, where careers were defined by a single entry gate and a fixed progression ladder.

CHANGING WINDS

This is now beginning of change. In recent years, PSBs have experimented with lateral entries, primarily for specialist roles — CTO, CRO, legal experts, treasury specialists etc. Though limited in scale, these moves have opened a previously closed door. They signal a willingness to adapt, to invite fresh ideas and to prepare the sector for the demands of a fast changing financial world.

THE IT SECTOR EXAMPLE

The Indian IT sector provides a powerful parallel. In the 1990s and 2000s, IT firms redefined careers in India. Professionals moved between companies, from Infosys to TCS, from startups to global giants and each move enriched both the individual and the employer. Companies gained new perspectives, employees gained growth opportunities and the industry as a whole surged ahead to make India a global leader in technology services.

PSBs may not be IT firms but the principle holds true: movement fuels growth. If banks embrace mobility, they too can unlock innovation and agility at a scale previously unimaginable.

THE VALUE OF ASPIRATIONS

For PSBs, a lateral entrant is not just another recruit. Someone who leaves their previous bank or sector to join a new one is making a conscious choice driven by aspiration. They are not coming for job security alone — they want growth, challenge and opportunity. That energy can be a powerful asset.

This contrasts sharply with the traditional model of inter-bank movement in PSBs. Until now, an officer typically experienced an inter-bank transfer only when elevated to the rank of Executive Director (ED) or beyond. To understand how rare that is, consider this: in a bank of 10,000 employees, there may be just two EDs and one MD. In other words, no matter how seasoned or talented, most officers get a scent of inter-bank transfer only after 25–30 years of service. And when they finally do, they arrive as outsiders — elevated to top leadership after a lifetime in another bank.

In contrast, lateral entry at earlier levels offers smoother transitions. When movement happens mid career, employees

bring experience without becoming strangers to the culture.

THE HR CHALLENGE

Of course, lateral entry is not without challenges. HR in PSBs will need to reinvent itself to make this transition successful:

- Integration: Lateral hires must be onboarded not just into systems, but assimilated into culture.
- Managing Perceptions: Existing staff may feel overlooked or bypassed; HR must ensure fairness and clarity.
- Retention: Talented lateral hires will expect faster recognition and opportunities — security alone will not be sufficient to retain them.
- Mindset Shift: HR must move from being administrators of rules to being architects of careers.

Handled well, these challenges can transform HR into a true partner in organizational growth.

Way Forward: From Specialists to Generalists

So far, lateral entry in PSBs has largely been limited to specialists. But the future may demand opening the doors for generalists as well — branch managers, general banking officers etc. That is when the true transformation will take place. Local Bank Officers (LBO) recruitment recently undertaken by our bank is a welcome step.

Imagine this journey:

- Start as a Probationary Officer in one Bank
- Move to Manager (Scale II) in second Bank after two years
- Step up to Senior Manager (Scale III) in Punjab & Sind Bank in another two years.

Three different banks, four years, two promotions — a pace once unthinkable in PSBs, but entirely possible in a lateral entry friendly future. This is how public sector banking can move closer to the agility of IT while still carrying the strength of its legacy. This is the new beginning of change and when the winds of change blow the antagonists begin to erect wall for their safety but the protagonists on the other hand prefer setting wind mills to harness the benefit.

Senior Manager
HO Inspection Deptt.

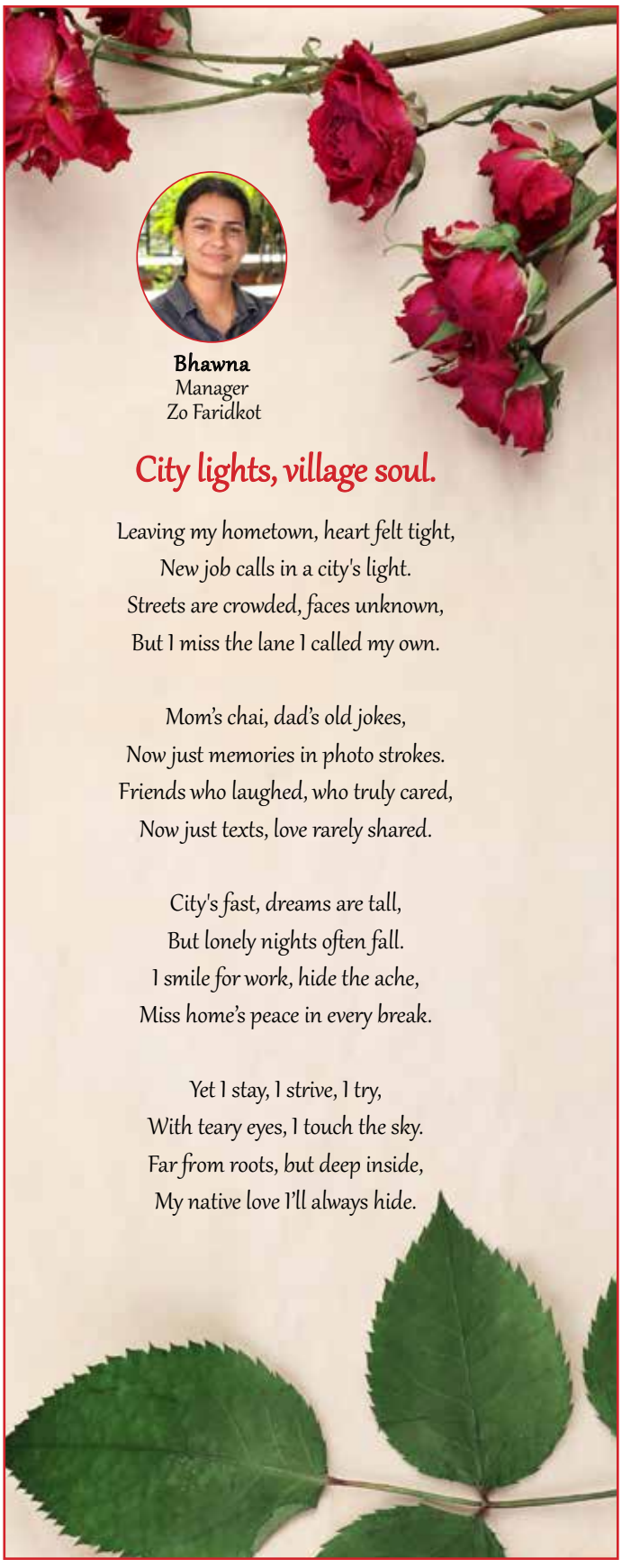

Bhawna
Manager
Zo Faridkot

City lights, village soul.

Leaving my hometown, heart felt tight,
New job calls in a city's light.
Streets are crowded, faces unknown,
But I miss the lane I called my own.

Mom's chai, dad's old jokes,
Now just memories in photo strokes.
Friends who laughed, who truly cared,
Now just texts, love rarely shared.

City's fast, dreams are tall,
But lonely nights often fall.
I smile for work, hide the ache,
Miss home's peace in every break.

Yet I stay, I strive, I try,
With teary eyes, I touch the sky.
Far from roots, but deep inside,
My native love I'll always hide.

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

प्रधान कार्यालय

आंचलिक कार्यालय देहरादून

आंचलिक कार्यालय गुरदासपुर

आंचलिक कार्यालय गुवाहाटी

आंचलिक कार्यालय फरीदकोट

आंचलिक कार्यालय पंचकूला

एसटीसी, रोहिणी (दिल्ली)

OPENINIG OF NRI SPECIALIZED BRANCH

Our bank Inaugurated NRI Specialized Branch at Thiruvananthapuram. The branch was inaugurated by Ms. M.G. Jayasree, DDG, DFS MoF alongwith Shri Swarup Kumar Saha(MD & CEO), Shri Vinod Kumar Pandey (FGM, Mumbai), Shri Rajiv Kumar Bansal (Zonal Manager, Chennai).

Bank's valuable customers interacted with Shri Swarup Kumar Saha (MD & CEO) & Ms. M.G. Jayasree, DDG, DFS MoF.

PM SvaNidhi

Credit Delivery to Last Mile...

Rupesh Kumar Singh

When the COVID-19 pandemic struck and brought the nation to a standstill, it was the unorganized sector — the backbone of India's informal economy — that bore the brunt of the crisis. The nationwide lockdowns severely disrupted livelihoods, especially for street vendors, hawkers, cart-pullers, and micro-entrepreneurs who survived on daily earnings. Due to Unavailability of funds, saving draughts, their businesses were the first to collapse and the last to recover. The biggest challenge they faced was re-entering the economic mainstream without access to formal credit, due to reasons such as lack of collateral, absence of formal documentation, no fixed address, and the complexity of traditional banking procedures.

Recognizing this urgent need, the Government of India launched the Pradhan Mantri Street Vendor's AtmaNirbhar Nidhi (PM SVANidhi) scheme on 1st June 2020, with the objective of providing collateral-free working capital loans to street vendors across the country. This marked a historic initiative — second only to the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana in terms of financial inclusion impact — that aimed to bring credit access to the grassroots level.

YEAR-WISE SANCTION/DISBURSEMENT OF PM SVANIDHI LOANS:

Year	No. of Loans Sanctioned	No. of Loans Disbursed	Amount Disbursed (In Crore)
2020-21	2203273	2058046	2,039
2021-22	1011897	1073253	1,248
2022-23	1342710	1243850	1,866
2023-24*	758312	688128	4,637
Total			9,790

*Up to Dec 2023

98% of the total loans sanctioned under the PM SvaNidhi Scheme were sanctioned by Public Sector Banks and Regional Rural Banks. Only 2% of the total sanctions were sanctioned/ disbursed by Private Banks.

Structure and Benefits of the Scheme

The PM SVANidhi scheme offered loans in three incremental tranches:

First Tranche	Second Tranche	Third Tranche
₹10000	₹20000*	₹50000**

*On timely repayment of first loan

**On timely repayment of second loan

These loans were extended at a subsidized interest rate of 7% per annum. To encourage digital adoption among vendors, the scheme also provided monthly cashback incentives ranging from ₹50 to ₹100 for performing digital transactions through UPI, QR codes, and other methods.

MASSIVE OUTREACH AND SOCIAL EQUITY

By 2024, the scheme had achieved remarkable reach:

More than 60.6 lakh street vendors had been sanctioned loans. A total of over ₹13,422 crore in loans had been disbursed (as per government data up to December 2024). The scheme recorded over 133 crore digital transactions, with a cumulative value exceeding ₹1.33 lakh crore. Vendors earned approximately ₹58.2 crore in cashback incentives, directly promoting digital financial behaviour.

One of the most powerful aspects of PM SVANidhi was its inclusive design:

75% of total loan recipients belonged to non-general categories — 44% from Other Backward Classes (OBCs), 22% from Scheduled Castes (SCs) and Scheduled Tribes (STs) and nearly 43% of beneficiaries were women, highlighting its gender-inclusive outreach.

IMPACT ON FINANCIAL DISCIPLINE AND FORMALIZATION

Despite being a high-risk lending segment, the Non-Performing Asset (NPA) ratio stood at only 15.88%, a notable achievement for a collateral-free loan program targeting the unbanked and underbanked. This reflects a rising financial literacy and repayment discipline among the borrowers —

many of whom were entering the formal financial ecosystem for the first time.

Year	NPA Ratio	Reasons
2020-21	13.90%	Maximum NPA recorded; delayed repayments due to COVID-19 impact
2021-22	12.50%	Gradual improvement; increased financial literacy and closure of COVID relief
2022-23	9%	Further decline as vendors' income stabilized and digital repayments rose
2023-24	7.2%*	Predominantly regular repayments; most NPAs linked to first-time borrowers

*Estimated

Moreover, The PM SVANidhi scheme has achieved the remarkable feat of bringing into the main stream banking system a segment of India for whom bank credit was once a distant dream. Even though through very small loans, it provided an opportunity for engagement with banking procedures and understanding of credit mechanism. It helped street vendors, hawkers or micro businesses in the unorganised sector develop credit discipline or simply put, the habit of borrowing and repaying loans; and protected them from the clutches of money lenders. This seemingly small step also helped, to some extent, in shielding people from the trap of mushrooming fake loan apps. Street vendors who had never interacted with banks were now maintaining accounts, using digital payment systems, building credit histories, and qualifying for larger loans under other government schemes like MUDRA.

UPSHOT

The PM SVANidhi scheme is much more than just a means to protect the livelihood of street vendors or a social security credit initiative. It didn't just offer financial aid — it gave dignity and formal recognition to millions of informal workers. It helped revive micro-enterprises, promoted digital inclusion, and expanded the reach of institutional credit. By strengthening the financial base of the most vulnerable, it served as both an economic catalyst and a symbol of social justice in action.

At heart, PM SVANidhi represents not just a credit scheme, but a transformational policy intervention — one that redefined financial empowerment for India's street vendors and demonstrated how inclusive governance can create resilient communities.

Senior Manager
HO Credit Monitoring Dept.

आंचलिक कार्यालय जालंधर द्वारा महाप्रबंधक श्री गोपाल कृष्ण की उपस्थिति में शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक

कॉरपोरेट एवं एमएसएमई ग्राहक बैठक

आंचलिक कार्यालय भोपाल द्वारा श्री स्वरूप कुमार साहा (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी), श्री राजेन्द्र कुमार रैगर (महाप्रबंधक), श्री ताराचंद मीणा (आंचलिक प्रबंधक, भोपाल) की उपस्थिति में रायपुर (छत्तीसगढ़) में कॉरपोरेट एवं एमएसएमई ग्राहकों के साथ बैठक एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान

आंचलिक कार्यालय लखनऊ द्वारा श्री रवि मेहरा (कार्यपालक निदेशक) तथा श्री अवधेश नारायण सिंह (आंचलिक प्रबंधक, लखनऊ) के नेतृत्व में गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान का आयोजन किया गया।

आंचलिक कार्यालय लखनऊ द्वारा सुश्री रश्मिता क्षात्रा (महाप्रबंधक) तथा श्री अवधेश नारायण सिंह (आंचलिक प्रबंधक, लखनऊ) के नेतृत्व में बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) में वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान का आयोजन किया गया।

देश की अर्थव्यवस्था में बैंक की भूमिका

वैभव कुमार मिश्र

भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में बैंकिंग प्रणाली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति केवल प्राकृतिक संसाधन, मानव संसाधन या तकनीक पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि उस राष्ट्र की वित्तीय प्रणाली पर भी आधारित होती है जोकि अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। वित्तीय प्रणाली में बैंकिंग क्षेत्र सबसे अहम स्थान रखता है। बैंक केवल लेन-देन या धन जमा करने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे देश की आर्थिक धारा को गति प्रदान करने वाले इंजन भी हैं। भारत जैसे विकासशील और विशाल जनसंख्या वाले देश में बैंकिंग प्रणाली का महत्व और भी अधिक हो जाता है, क्योंकि यहाँ आर्थिक असमानता, ग्रामीण-शहरी विभाजन और संसाधनों का असमान वितरण जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं।

भारत की स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीयकरण, उदारीकरण और आज के डिजिटलीकरण तक—बैंकिंग ने देश की आर्थिक व्यवस्था को निरंतर सशक्त और आधुनिक बनाने का कार्य किया है। समाज के प्रत्येक वर्ग के जरूरतमंदों को बैंक ने उनके सुनहरे भविष्य की मजबूत आधारशिला प्रदान की है। एक छोटा व्यापारी बैंक के सहयोग से बड़ा व्यवसायी बना है। समाज के मध्यम वर्ग के लोगों के बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने में बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं है। बैंक ने किसी कौशल प्रवीण व्यक्ति को उसके स्टार्टअप को बड़े व्यापार में बदलने का काम किया है। बैंकिंग सेवा क्षेत्र सर्व साधारण जन के घरों तक पहुँचकर उनकी वित्तीय आवश्यकताओं और सेवाओं के माध्यम से पारिवारिक आर्थिक स्थिति को सक्षम बना दिया है मानो कि घोर अंधेरे में उन सभी को प्रकाश की किरण मिली हो।इसके साथ ही वित्तीय सेवाओं के माध्यम से उन सभी में जीवन शैली को स्वस्थ बनाने की सोच भी जगाई है। वास्तव में वित्तीय समावेशन की सकारात्मक अवधारणा के माध्यम से आमजन अपना एक व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और निवेश कर सकते हैं।

बैंक जनता की छोटी-छोटी बचतों को इकट्ठा कर उन्हें उत्पादक निवेश में परिवर्तित करते हैं जैसे-बचत खाता, सावधि जमा, आवर्ती जमा आदि में जमा करते हैं। बैंक इन पर ग्राहकों को ब्याज देते हैं ताकि लोग पैसे घर पर संग्रहित करने के स्थान पर पैसे बैंक में जमा करें। इसी तरह जब लाखों लोग छोटी-छोटी रकम जमा करते हैं, तो बैंक के पास बहुत बड़ी राशि एकत्र हो जाती है। यही राशि बैंक की पूंजी बनती है।

बैंक इसी पूंजी के भाग का प्रयोग जरूरतमंदों जैसे किसानों को खेती के लिए उद्योगपतियों को कारखाना स्थापित करने के लिए, व्यापारियों को व्यापार का विस्तार करने के लिए और छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऋण प्रदान करने के लिए करता है।

भारत की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि प्रधान रही है। आज भी देश की लगभग आधी से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। कृषि को विकसित और आधुनिक बनाने में बैंकिंग प्रणाली ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। बैंक किसानों को वित्तीय सहायता देकर, योजनाओं से जोड़कर और ग्रामीण क्षेत्रों में शाखाएँ खोलकर कृषि

उत्पादन और ग्रामीण विकास को गति प्रदान करते हैं। बैंक किसानों को फसल ऋण देते हैं ताकि वे बीज, खाद, कीटनाशक और उपकरण खरीद सकें। बैंक किसानों को सिंचाई परियोजनाओं, ट्रैक्टर, मशीनरी और गोदाम बनाने के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदना करे हैं। सहकारी बैंकों और ग्रामीण बैंकों की स्थापना विशेष रूप से किसानों और ग्रामीणों को वित्तीय सहयोग प्रदान करने के लिए की गई थी। इन बैंकों का प्रमुख उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इसी के तहत किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से किसानों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध होता है। इससे किसान साहूकारों के चंगुल से बचने में सक्षम बन पाते हैं और खेती की लागत आसानी से पूरी कर पाते हैं।

किसी भी राष्ट्र के व्यापार और उद्योग के विकास में वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता सबसे आवश्यक तत्व है। बैंकिंग प्रणाली इस दिशा में रीढ़ की हड्डी का कार्य करती है। बैंक पूँजी, ऋण, निवेश, बीमा और आधुनिक वित्तीय सेवाओं के माध्यम से उद्योगपतियों और व्यापारियों को सहारा देते हैं। उद्योग और व्यापार की स्थापना के लिए बड़ी पूँजी की आवश्यकता होती है। बैंक दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण प्रदान कर उद्यमियों को निवेश की सुविधा देते हैं। इससे नए उद्योग स्थापित होते हैं तथा व्यापार का विस्तार होता है। बैंक ड्राफ्ट, चेक, लेटर ऑफ क्रेडिट, डेबिट/क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएँ देकर व्यापारियों को लेन-देन में सरलता प्रदान करते हैं। बैंक मशीनरी, संयंत्र, भवन और नई तकनीक के लिए दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराते हैं। बैंक छोटे व्यापारियों और लघु उद्योगों को भी ऋण और सहायता प्रदान करते हैं। बैंक डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और ई-पेमेंट सिस्टम के माध्यम से व्यापार और उद्योग को तकनीकी रूप से सशक्त बना रहे हैं।

"वित्तीय समावेशन जोकि समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर गरीब, ग्रामीण, महिला, छोटे व्यापारी, किसान और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को सस्ती और सुलभ बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराना। इसका लक्ष्य यह है कि कोई भी नागरिक आर्थिक प्रगति से वंचित न रहे। भारत जैसे देश में आर्थिक विकास तभी सार्थक है जब इसका लाभ समाज के हर वर्ग तक और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों का बैंक खाता खोला गया। बैंकिंग सुविधाओं को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाने के लिए व्यवसाय प्रतिनिधि मॉडल, बैंक मित्र, मोबाइल वैन जैसी योजनाओं को लागू किया गया। साथ ही रूपे कार्ड, आधार-आधारित भुगतान प्रणाली और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने वंचित वर्ग को वित्तीय मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। आज बैंक केवल धनी वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गरीब, किसान, महिला और श्रमिक भी बैंकिंग का लाभ ले रहे हैं। अब हर व्यक्ति के जेब में पड़ा मोबाइल एक पर्स के रूप में काम कर रहा है।

इक्कीसवीं सदी का भारत डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है और इसमें बैंकिंग क्षेत्र ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, वॉलेट और क्यूआर कोड ने कैशलेस अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की है तथा साथ ही भुगतान प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव भी किया है। देश में डिजिटल लेन-देन से पारदर्शिता बढ़ी, भ्रष्टाचार और काले धन पर अंकुश लगाने का पूरा प्रयास रहा है। सरकार की 'डिजिटल इंडिया' और 'कैशलेस इकोनॉमी' की दिशा में बैंक की भूमिका अति महत्त्वपूर्ण रही है। आज

देश भर में युवा वर्ग से लेकर वृद्धजन तक डिजिटल भुगतान प्रणाली का प्रयोग कर रही हैं। बदलते वक्त में ग्राहकों की अपेक्षाएँ भी बढ़ी है।अब इस बैंकिंग दौर में ग्राहक के लिए बैंक बहुत आवश्यक हो गया और वक्त के साथ ग्राहक की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। वह समय के साथ चलने की कोशिश करता है और बैंक से त्वरित सेवा प्राप्त करने की अपेक्षा रखता है। यहाँ तक की आप अपने आस-पास देख सकते हैं कि सड़क पर चाय बेचने वाला, सब्जी वाला और रेहड़ी पटरी वाले भी नेट बैंकिंग शब्दावली यूपीआई से पूर्ण रूप से परिचित हो चुके हैं।

इसके अतिरिक्त रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का महत्त्वपूर्ण माध्यम बैंक ही रहा है। बैंक स्वयं लाखों लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देते हैं साथ ही, ऋण और वित्तीय सहयोग देकर युवाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप की दिशा में प्रोत्साहित करते हैं जिसके परिणामस्वरूप रोजगार में वृद्धि होती जा रही है। समाज के छोटे व्यापारी, उद्यमी पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो चुके हैं। बैंक, सरकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने का माध्यम है। महिलाओं के लिए विशेष ऋण योजनाएं और स्व-सहायता समूहों को बैंक सहयोग देते हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण होता है। आज समाज में वित्तीय समावेशन की पहल के परिणामस्वरूप महिलाएं भी पुरुषों की तुलना में कम नही हैं। स्पष्ट है कि बैंक उत्पाद सभी के लिए समान रूप से सेवा और सुविधा के लिए हैं। महिलाएं भी बैंकिंग वित्तीय सेवाओं के लाभ के परिणास्वरूप उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाई जा सकी है, और वह भी अब अपने परिवार की अहम आर्थिक ज़िम्मेदारी उठाने के योग्य हैं, जिससे परिवार और समाज में उनकी स्थिति में सुधार होता है। समाज के सभी वर्गों को वित्तीय सेवाओं का लाभ देने से सामाजिक असमानता कम होती है और समाज में समता का विकास होता है।

बैंक केवल निजी संस्थान नहीं, बल्कि सरकार की आर्थिक नीतियों को लागू करने का माध्यम भी हैं। मनरेगा, पेंशन, छात्रवृत्ति, उज्ज्वला, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ बैंकों के माध्यम से सीधे लाभार्थियों तक पहुँचता है। इससे पारदर्शिता बनी रहती है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। भारतीय रिज़र्व बैंक और अन्य नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर बैंक मौद्रिक नीति को प्रभावी बनाने में मदद करते हैं।

आर्थिक स्थिरता और नियंत्रण के कारण किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। महंगाई को नियंत्रित करने में बैंक

महत्वपूर्ण हैं। ब्याज दरों और ऋण प्रवाह के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली मांग और आपूर्ति को संतुलित करती है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के माध्यम से बैंक अर्थव्यवस्था को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाते हैं।

इस प्रकार बैंक किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। वे बचत को निवेश में बदलते हैं , उत्पादन और उपभोग को बढ़ाते हैं, रोजगार उत्पन्न करते हैं और पूरे समाज को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद करते हैं। अब समाज का हर वर्ग-गरीब, किसान, महिला, व्यापारी और युवा बैंकिंग व्यवस्था से जुड़कर विकास की मुख्य धारा में आ चुका है।

राजभाषा अधिकारी
आंचलिक कार्यालय, लखनऊ

श्री गोपाल कृष्ण(महाप्रबंधक) की उपस्थिति में आंचलिक कार्यालय बरेली में शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक का आयोजन।

श्री राजेन्द्र कुमार रैगर(महाप्रबंधक) की उपस्थिति में आंचलिक कार्यालय दिल्ली- II में शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक का आयोजन

FINANCIAL INCLUSION SATURATION CAMP

ZONAL OFFICE GURUGRAM

ZONAL OFFICE DELHI-II

साइबर सुरक्षा: ग्राहक की भूमिका

सुदेश कुमार

वर्त्तमान काल सूचना एवं प्रौद्योगिकी का काल है एवं यह एक स्थापित तथ्य है कि विश्व का जो भी राष्ट्र इस महत्वपूर्ण हथियार को कुशलता के साथ अपने पक्ष में उपयोग करेगा, वह सरलता के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। किन्तु यह जानना भी परम आवश्यक है कि यह तकनीकी हथियार यदि कुशलता के साथ प्रयोग किया जाए तो चमत्कारी परिणाम प्रस्तुत कर सकता है किन्तु यदि यह किसी भी प्रकार से आपके शत्रुओं के द्वारा घुसपैठ करके नियंत्रित कर लिया गया और इसे आपके विरुद्ध प्रयोग किया गया तो परिणाम भयावह हो सकते है। यह युग डेटा (आंकड़ों) का युग है एवं डेटा का उपयोग या दुरुपयोग ही इस युद्ध में आपकी जय या पराजय सुनिश्चित करता है। डिजिटल क्रांति के पश्चात समस्त विश्व के आर्थिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों एवं बैंकिंग संगठनों का समस्त डेटा कंप्यूटर सर्वर पर उपलब्ध है जिससे इन संगठनों के द्वारा किए जाने वाले लेनदेन एवं अन्य प्रक्रियाएं सुगम हो गई हैं तथा इनमें लगने वाला समय उल्लेखनीय रूप से घट गया है। किन्तु इसके साथ ही एक और चिंताजनक प्रश्न जो लगातार इन वित्तीय संगठनों एवं इनके ग्राहकों को भयग्रस्त करके रखता है, वह यह है कि यदि यह डेटा धोखाधड़ी करने वाले समूह या व्यक्ति के हाथों लग गया तो इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इक्कीसवीं सदी में प्रयोग किए जाने वाले सबसे अधिक प्रचलित शब्द-युग्मों में से एक, "साइबर सुरक्षा" पर एक नजर डाली जाए।

साइबर सुरक्षा-परिभाषा एवं विस्तार: साइबर सुरक्षा एक ऐसा विषय है जिसका संबंध एक व्यक्ति से लेकर समस्त विश्व तक से हो सकता है। साइबर सुरक्षा को सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा या इलेक्ट्रॉनिक डेटा सुरक्षा भी कहा जा सकता है। साइबर सुरक्षा से तात्पर्य सुरक्षा के उन उपायों से है जो कोई भी व्यक्ति/संगठन/राष्ट्र धोखाधड़ी करने वाले तत्वों से अपने डिजिटल डेटा की सुरक्षा हेतु अपनाता है ताकि इस डेटा का दुरुपयोग न किया जा सके। साइबर सुरक्षा एक छोटे से लेनदेन के लिए जारी किए गए ओटीपी से लेकर वैश्विक स्तर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सर्वर पर होने वाले साइबर हमले तक विस्तृत है। यदि कोई व्यक्ति आपको फोन करके धोखे से आपसे ओटीपी लेकर आपके खाते से पैसे निकाल लेता है तो यह साइबर अपराध का एक ऐसा प्रकार है जिसमें एंडयूजर (अंतिम उपयोगकर्ता) या सामान्यतः जिसे हम ग्राहक कहते हैं, के साथ धोखाधड़ी होती है। इसे साइबर अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। किसी दुर्भावना या राजनैतिक लाभ के लिए किसी व्यक्ति या समूह की व्यक्तिगत जानकारी लीक करना साइबर हमले की श्रेणी में रखा जा सकता है तथा किसी बड़े संगठन के सर्वर में सेंधमारी करके उसकी प्रणाली को कमजोर करना या नष्ट करना तथा आतंक या भय फैलाना साइबर आतंकवाद कहलाता है। इसे साइबर अपराध का वैश्विक

स्वरूप कह सकते है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपराधिक तत्व नित नए प्रयोग करते रहते हैं और डेटा घुसपैठ के नए नए तरीके ईजाद करते रहते हैं। इसलिए साइबर सुरक्षा से संबंधित एजेंसियों के लिए आवश्यक है कि वह डेटा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए साइबर अपराधियों से दो कदम आगे रहें। साइबर सुरक्षा की कार्य-योजना बनाने के लिए एवं सफल क्रियान्वयन के लिए यह आवश्यक है कि साइबर अपराधियों के काम करने के तरीकों का गहनतापूर्वक अध्ययन किया जाए तथा यह समझा जाए कि साइबर अपराध होता क्या है।

साइबर अपराध-कार्य प्रणाली एवं प्रकार: साइबर शब्द से तात्पर्य कंप्यूटर, कंप्यूटर नेटवर्क तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ताजैसे तत्वों के सम्मिलित स्वरूप से है। इन सभी तत्वों से छेड़खानी करके यदि कोई अपराधी किसी की गोपनीय जानकारी अपने दुर्भावनापूर्ण लाभ के लिए करता है तो उसे साइबर अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। किसी भी व्यक्ति की निजी जानकारी को प्राप्त करना और उसका गलत इस्तेमाल करना, किसी की भी निजी जानकारी कंप्यूटर से निकाल लेना या चोरी कर लेना, जानकारी में फेरबदल करना, जानकारी मिटाना, एक व्यक्ति की जानकारी दूसरे से साझा करना या किसी पर दुर्भावनापूर्ण तरीके से नजर रखना भी साइबर अपराध है। इसकी प्राप्ति के लिए साइबर अपराधी मालवेयर का प्रयोग करते हैं। मालवेयर एक ऐसा सॉफ़्टवेयर है जिसे साइबर अपराधी या हैकर ने किसी वैध उपयोगकर्ता के कंप्यूटर को बाधित या नुकसान पहुँचाने के लिए बनाया है। अक्सर एक अनचाहे ई-मेल अटैचमेंट या वैध दिखने वाले डाउनलोड के माध्यम से फैलने वाले मालवेयर का इस्तेमाल साइबर अपराधियों द्वारा पैसे कमाने या राजनीतिक रूप से प्रेरित साइबर हमलों में किया जा सकता है। वायरस, रैनसमवेयर, बॉटनेट, ट्रोजन, स्पाइवेयर, एडवेयर विभिन्न प्रकार के मालवेयर हैं। इसी तरह एस क्यू एल इन्जेक्शन भी एक प्रकार का साइबर हमला है जिसका उपयोग डेटाबेस पर नियंत्रण करके डेटा चुराने के लिए तथा डेटाबेस में मौजूद संवेदनशील जानकारी तक पहुँच के लिए किया जाता है। साइबर अपराधी अपने मंसूबों में कामयाब होने के लिए विभिन्न प्रकार के तरीके अपनाते है जिनका विवरण निम्नानुसार है:

1. स्पैम ई-मेल भेजकर किसी को गलत लिंक पर क्लिक करवाकर उसकी निजी जानकारी चुराना तथा उसका दुरुपयोग करना।
2. किसी का कंप्यूटर हैक करके उसका यूजर आई डी तथा पासवर्ड चुरा लेना तथा उसकी जानकारी चुराना एवं आर्थिक क्रियाकलापों पर नजर रखना।
3. साइबर अपराधी आपके कंप्यूटर पर कुछ ऐसे सॉफ्टवेयर भेजते हैं जो अपने साथ ऐसे वायरस लाते हैं जो आपके सिस्टम को क्षति पहुँचाते हैं।
4. लोग महंगे सॉफ्टवेयर खरीदना नहीं चाहते इसलिए साइबर अपराधी उनका सस्ता संस्करण बाजार में उपलब्ध करवाते हैं जिससे कंपनियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ये आपके उपकरणों के लिए भी घातक होते हैं।
5. नकली वित्तीय अधिकारी बनकर कॉल करके लोगों को ठगना अथवा उनके कंप्यूटर पर बैंकिंग संगठनों द्वारा भेजी जाने वाली ई-मेल से मिलती जुलती ई-मेल भेजकर धोखाधड़ी करना।
6. सोशल नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म पर एक निश्चित राजनैतिक या धार्मिक दुष्प्रचार करने के लिए तथ्यहीन खबरों को फैलाना।
7. विभिन्न प्रवर्तनकारी एजेंसियों यथा सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, पुलिस आदि के अधिकारी के रूप में छद्म रूप में प्रस्तुत होना तथा मानसिक दबाव बनाकर "डिजिटल अरेस्ट" करके ब्लैकमेल करना।
8. किसी व्यक्ति को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर आकर्षित करके उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें या वीडियो प्राप्त करना तथा उसके आधार पर उसे ब्लैकमेल करना।
9. साइबर अपराधी असुरक्षित वाई फ़ाई नेटवर्क पर दो व्यक्तियों के बीच होने वाले संचार को बाधित करके डेटा को क्षति पहुंचाते हैं।

विश्व प्रसिद्ध साइबर हमलों की घटनाएं: वर्ष 2016 में उत्तरी अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में डीडीओएस हमलों ने पूरे इलाके के इंटरनेट को कई दिनों तक बाधित कर दिया था।

मैक्स-रे-बटलर या आइसमैन ने अपने आपराधिक करियर में ₹20 लाख से ज्यादा क्रेडिट कार्ड की जानकारी चुराई जिसके भुक्तभोगियों में न केवल व्यवसायी , नौकरीपेशा लोग थे बल्कि उसके प्रतिद्वंद्वी हैकर भी थे। इसके लिए उसने डीप वेब का इस्तेमाल किया

मई 2017 मे वान्नाक्राइ नामक रैनसमवेयर ने सम्पूर्ण विश्व में तबाही मचाई तथा लगभग 150 देशों में 2,00,000 उपकरणों को संक्रमित कर दिया। संक्रमित होने के बाद कंप्यूटर की फ़ाइलें एन्क्रिप्ट हो जाती थीं तथा एक डिजिटल फिरौती पत्र फ़ाइलों को डिक्रिप्ट करने के बदले बिटकोइन की मांग करता था।

इंटरनेट सेवा कंपनी याहू को सन 2013 एवं 2014 में दो बार हैक किया गया जिससे इसके डेटाबेस में मौजूद लगभग 3 बिलियन लोगों का डेटा चोरी हो गया था।

इस प्रकार अवलोकन किया गया कि साइबर अपराधी सदैव इस प्रयास में रहते हैं कि कोई भी व्यक्ति या संगठन जरा सी लापरवाही बरते और वे उसका लाभ उठाकर अपने इरादों में कामयाब हो सकें। इससे बचाव का एक ही तरीका है और वह है-जागरूक रहना एवं जानकारी रखना। विचार करते हैं कि एक ग्राहक किस प्रकार वर्तमान समय में वित्तीय अनुशासन का पालन करके स्वयं को साइबर अपराधियों के चंगुल से बचा सकता है।

ग्राहक की भूमिका : एक जागरूक, सावधान एवं जानकारी रखने वाला नागरिक न केवल अपने वित्तीय लेनदेन को सुरक्षित रख सकता है बल्कि बेझिझक नवीनतम तकनीकी का उपयोग कर सकता है। विभिन्न साइबर सुरक्षा संगठनों के द्वारा समय समय पर ग्राहकों को बचाव हेतु अनुदेश एवं टिप्स (युक्तियाँ) जारी की जाती हैं जिनका पालन करके ग्राहक सुरक्षित रह सकते हैं। आइए इन पर एक नजर डालते हैं।

1. अपने कंप्यूटर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर/एप्लीकेशन को हमेशा विश्वसनीय एवं स्थापित स्रोतों से ही खरीदें तथा पायरेटेड कॉपी इस्तेमाल न करें क्योंकि इसमें सिस्टम को क्षति पहुँचाने वाला वायरस होने की प्रबल संभावना होती है। जिन प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर की आवश्यकता नहीं, उन्हें हटाना ही उचित रहता है।

2. वित्तीय लेनदेन को करने के लिए ग्राहक को सदैव स्वयं का इंटरनेट नेटवर्क उपयोग करना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर मुफ़्त में उपलब्ध वाई फाई का उपयोग वित्तीय लेनदेन के लिए करना हानिकारक हो सकता है क्योंकि साइबर अपराधी उसमें सेंधमारी करके आपकी व्यक्तिगत जानकारी चुरा सकते हैं।

3. ग्राहक को चाहिए कि वह अपने कंप्यूटर, जिसमें वह वित्तीय लेनदेन करता है, को कभी भी लॉगिन करके खाली छोड़कर न जाए। जब आवश्यक न हो, स्क्रीन लॉक कर दें। साथ ही कंप्यूटर की फायरवॉल को हमेशा ऑन रखें।

4. पासवर्ड सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि एक अत्यंत जटिल एवं विभिन्न प्रकार के सिंबल के मिश्रण से बना पासवर्ड इस्तेमाल किया जाए। सामान्य प्रकार के शब्दों से बना पासवर्ड इस्तेमाल करने से पासवर्ड को अंदाजा लगाकर तोड़ने की संभावना बनी रहती है। इसके अतिरिक्त पासवर्ड नियमित अंतराल पर बदलते रहना चाहिए। पासवर्ड बदलाव में कोई भी पैटर्न नहीं होना चाहिए। एक ही पासवर्ड को विभिन्न वित्तीय प्लेटफॉर्म पर प्रयोग नहीं करना चाहिए।

5. ग्राहकों को अपने कंप्यूटर के ऑपरेटिंग सिस्टम तथा एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर को लगातार अपडेट करके रखना चाहिए ताकि बाजार में आ रहे नए वायरस से सुरक्षा प्राप्त हो सके।

6. इंटरनेट वेबसाइट से या किसी अन्य स्रोत से जब भी कोई सामग्री या एप्लीकेशन डाउनलोड की जाए तो अपने पर्सनल कंप्यूटर पर उसे उपयोग करने से पूर्व एंटी-वायरस स्कैन अवश्य कर लिया जाना चाहिए।

7. कंप्यूटर सर्वर तक पहुँच प्राप्त करने के लिए कई चरणों की सत्यापन-प्रक्रिया सदैव उचित रहती है। इससे साइबर अपराधियों को रोकने में सहायता मिलती है।

8. अविश्वसनीय एवं अनजान स्रोतों से प्राप्त लिंक, हाइपर लिंक या पॉप-अप पर क्लिक करने से बचना चाहिए। लुभावने एवं ललचाने वाले विज्ञापनों के लिंक या ऑनलाइन भेजे गए लॉटरी के लिंक पर क्लिक करना हानिकारक हो सकता है। जब तक किसी स्रोत की पहचान सत्यापित न हो जाए, किसी भी स्पैम मेल को नहीं खोलना चाहिए।

9. भारिबैं, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, पुलिस आदि एजेंसियां कभी भी किसी व्यक्ति को डिजिटल संपर्क करके किसी अपराध की चर्चा नहीं करती हैं अतः ग्राहक को इस प्रकार से डिजिटल अरेस्ट करने के किसी भी झाँसे में नहीं आना चाहिए।

10. किसी भी हालत में अपने ओटीपी को शेयर न करें। ओटीपी को सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से भेजने से भी बचना चाहिए।

11. कृत्रिम बुद्धिमत्ताके उद्भव के पश्चात यह संभव है कि आपके फोन में आपके किसी निकट संबंधी का कॉल आए जो हूबहू उनसे मिलती जुलती आवाज होगी और वह आपसे पैसे भेजने के लिए कहे। इस स्थिति में ग्राहक को चाहिए कि वह भावनात्मक आवेश में आकर कोई लेनदेन करने से बचे तथा उस निकट संबंधी को स्वयं वापस कॉल करके वास्तविक स्थिति का पता करके निर्णय लें।

12. इंटरनेट का उपयोग करते समय अविश्वनीय तथा असुरक्षित वेबसाइटों पर अपनी महत्वपूर्ण जानकारी यथा मोबाइल संख्या, खाता संख्या, ई-मेल पता, डेबिट/क्रेडिट कार्ड संख्या आदि का विवरण साझा न करें। किसी भी बैंकिंग वेबसाईट का प्रयोग करने से पूर्व यू आर एल की प्रामाणिकता अवश्य जांच लेनी चाहिए। वित्तीय लेनदेन पूर्ण होने के पश्चात वेबसाईट से लॉगआउट अवश्य कर दें।

13. अपने नेटबैंकिंग एप के पासवर्ड, यूपीआई पिन, एटीएम पिन, सीवीवी संख्या आदि को कभी भी किसी के साथ साझा न करें। याद रखें कि भुगतान प्राप्त करने के लिए आपको कोई स्कैन करने या पिन बताने की कोई आवश्यकता नहीं होती।

14. किसी भी अनजान लिंक जो आपके बैंक खाते की केवाईसी, आपके एटीएम के नवीनीकरण, आपके खाते के किसी लेनदेन के संबंध में हो, उस पर कभी भी क्लिक न करें क्योंकि वह आपके उपकरण को हैक कर सकता है।

15. किसी भी व्यक्ति को क्यू आर कोड स्कैन करके भुगतान करने से पूर्व उसके नाम की पुष्टि अवश्य कर लेनी चाहिए।

16. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी संदेश को फॉरवर्ड करने से पूर्व उसकी प्रामाणिकता की पुष्टि आवश्यक है। ऐसे सोशल मीडिया एप को सावधानी पूर्वक इस्तेमाल करें जो आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि परिवार के सदस्यों की जानकारी, आपकी लोकेशन, आपका व्यवसाय आदि की जानकारी प्राप्त करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को उपयोग करने से पूर्व उनकी डिफ़ॉल्ट प्राइवेसी सेटिंग पर अवश्य ध्यान दिया जाना चाहिए। एप डाउनलोड करने से पहले विक्रेता की गोपनीयता की शर्तों को ध्यानपूर्वक पढ़ें एवं एप परमिशन को सत्यापित करें। लोकेशन सेटिंग को तभी ऑन रखना चाहिए, जब आप उस एप का प्रयोग कर रहें हों, अन्यथा इसे बंद रखें।

17. अनजान लोगों से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर मित्रता करते समय सावधानी बरतनी चाहिए तथा वीडियो कॉल का प्रयोग करने से बचें क्योंकि इसका दुरुपयोग रिकॉर्डिंग करके आपको ब्लैकमेल करने के लिए किया जा सकता है।

18. मोबाइल फोन तथा टैब आदि में पैरेंटल कंट्रोल का उपयोग किया जाना चाहिए तथा ऑटो लॉक सेटिंग को प्रभावी रखें। यदि आपके घर में बच्चे को किसी ऑनलाइन गेम की लत है तो उस पर नजर रखनी आवश्यक है क्योंकि साइबर अपराधी आजकल बच्चों को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करके धोखाधड़ी कर रहे हैं।

19. ग्राहक को अपने कंप्यूटर उपकरणों में उपलब्ध महत्वपूर्ण डेटा का हमेशा बैकअप रखना चाहिए तथा कोशिश करनी चाहिए कि व्यक्तिगत फ़ोटो, वीडिओ, दस्तावेज़ आदि को एक अलग स्टैन्डअलोन कंप्यूटर में रखना चाहिए जिससे वैयक्तिक गोपनीयता बनी रहे।

20. अपने कंप्यूटर उपकरणों को मरम्मत के लिए भेजते समय या किसी पुराने उपकरण को बेचते समय अपने व्यक्तिगत डेटा का बैकअप लेकर उसे पूरी तरह मिटा दें ताकि उसके दुरुपयोग की संभावना समाप्त हो जाए।

21. यदि कभी किसी ग्राहक के साथ साइबर धोखाधड़ी हो जाए तो तुरंत हेल्पलाइन संख्या 1930 पर जानकारी देनी चाहिए तथा अपनी शिकायत को cybercrime.gov.in पर दर्ज करवाना चाहिए। साइबर अपराध होने की अवस्था में ग्राहक द्वारा तीव्र प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है जो निर्णायक साबित हो सकती है क्योंकि ग्राहक जितनी जल्दी सूचना देगा, उतनी ही जल्दी किए गए लेनदेन को रोक पाना संभव हो पाएगा।

इन सभी बातों का ध्यान यदि प्रत्येक ग्राहक रखे तो निस्संदेह उसे साइबर ठगी से बचने में अवश्य मदद मिलेगी।

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने विश्व साइबर अपराध सूचकांक संकलित किया है, जो लगभग 100 देशों की रैंकिंग करता है और साइबर अपराध की विभिन्न श्रेणियों के अनुसार प्रमुख स्थानों की पहचान करता है। इन श्रेणियों में रैंसमवेयर, क्रेडिट कार्ड चोरी और घोटाले शामिल हैं। इस सूची में भारत साइबर अपराध के मामले में 10वें स्थान पर है। ये खतरे किसी एक समूह विशेष या उद्योग तक सीमित नहीं हैं बल्कि अनजान व्यक्तियों से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों और यहाँ तक कि सरकारों तक, कोई भी सुरक्षित नहीं हैं। भारत में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 पारित किया गया जिसके साथ भारतीय दंड संहिता के प्रावधान सम्मिलित रूप से साइबर अपराधों से निबटने के लिए पर्याप्त हैं। किन्तु जैसा कि कहा जाता है कि "उपचार से बेहतर रोकथाम है"। हमने देखा कि यह युग सूचना तकनीकी का युग है जिसके बिना किसी भी ग्राहक का काम चलना असंभव है। आने वाले समय में सूचनाओं का और अधिक डिजिटलीकरण होगा और वित्तीय लेनदेन में और अधिक सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल होगा इसलिए उसके उपयोग से दूर भागने का कोई विकल्प नहीं होगा बल्कि आवश्यकता इस बात की रहेगी कि लोग सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग में एवं वित्तीय लेनदेन में अधिक अनुशासित रहें एवं सरकारी एजेंसियों द्वारा दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करें तथा बाकी लोगों को भी उसके प्रति जागरूक करें। छोटी छोटी चीजों का ध्यान रखने से भी साइबर अपराधों कों रोक जा सकता है। केवल सरकारी संगठनों के प्रयास करने से साइबर अपराधियों पर नकेल कसना संभव नहीं होगा बल्कि ऐसा तभी संभव है जब आम ग्राहक और सरकारी एजेंसियां मिलकर इस दिशा में प्रयास करें।

-ग्राहक सेवा सहयोगी
आंचलिक कार्यालय दिल्ली-II

Heart Ties

Friends & family is all I have,
I love them with all my heart,
I wonder if I don't have them,
My life will be like an empty cart.

They have always been there for me,
When I needed them the most,
Celebrating good times,
To raise a toast.

Lucky in life to get friends like these,
Providing me oxygen like the big "O" trees.

Laughed, cried & shared all emotions together,
Like birds of feather flocking together.

Can't express how thankful I am,
If it was WWE, I won the grand slam.

Love for my friends will always increase,
Capturing memories in photos, saying cheese

Piyush walia
Sr. Manager
HO Inspection Deptt.

बैंक की नवीन शाखा का शुभारंभ (कल्याण, मुंबई)

समीक्षा बैठक

आंचलिक कार्यालय, मुंबई द्वारा श्री विनोद कुमार पाण्डेय (क्षेत्र महाप्रबंधक, मुंबई) की उपस्थिति मे शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक का आयोजन।

MoU SINGNED BY BANK

Our bank singned Gaurav Bachat Defence Salary Package MoU with Indian Air Force. It has been renewed for three years with stand out features for the Air Warriors, Agniveer Vayu, Air Veterans, Veer naris and their families.

Our Bank reaffirms the commitment to serve the force. MoU was inked by Shri Zaki Ahmed, IPS (IG Adm), CRPF & Shri Gopal Krishan (General Manager).

In pursuit of driving meaningful socio-economic development across the nation, Our bank has inked a MoU with the Indian School of Business (ISB). The MoU signing ceremony was held in the esteemed presence of Shri Swarup Kumar Saha (MD & CEO), Prof. Prasanna Tantri (Associate Professor, Finance and Executive Director, Centre for Analytical Finance, ISB), Shri Ravi Mehra (Executive Director), Shri Rajeeva (Executive Director), Shri Chaman lal Shienhmar (Field General Manager, Chandigarh) along with the senior officials from both institutions.

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)

Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)

जहाँ सेवा ही जीवन - ध्येय है

Where service is a way of life

BANK ANYTIME, ANYWHERE

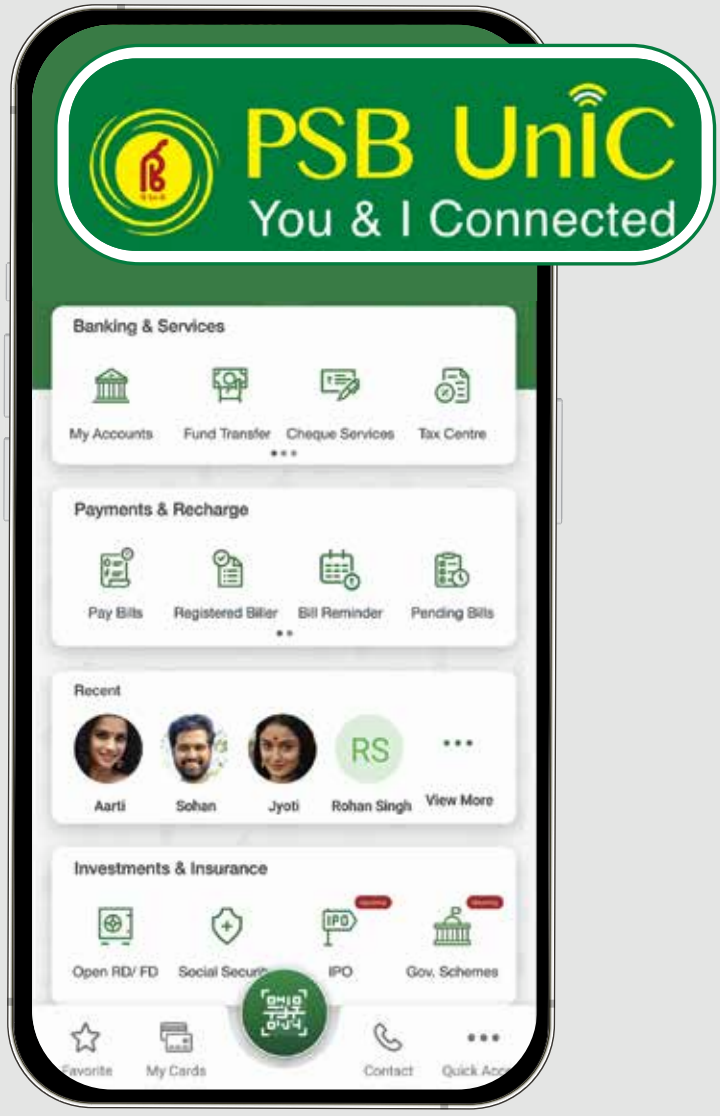

- Instant Virtual Debit Card
- 24x7 Secure Access
- Open RD/FD
- Quick Fund Transfers
- Smart Card Management
- Bill Payments